श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़ें

shramsadhnagwl@gmai.com — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 54 ग्वालियर, गुरुवार 24 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल से 351 बसों को दिखाएंगे हरी झंडी, सात शहरों से शुरू होगा पहला चरण

कल से शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

भोपाल जीएनएस

मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत 25 सितंबर को होगी। भोपाल के दशहरा मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुरुआती चरण की 351 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। योजना का उद्देश्य शहरों के बीच संपर्क बेहतर करने के साथ यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।

सरकार की योजना के अनुसार मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत प्रदेश में करीब 1500 बसों का संचालन प्रारंभिक चरण में किया जाएगा। इसके बाद सेवा का विस्तार अन्य शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक किया जाएगा। बस सेवा को दो श्रेणियों में बांटा गया है। इनमें 120 बसें दो या दो से अधिक शहरों के बीच चलने वाली अंतरनगरीय सेवा में और 231 बसें शहरों के भीतर आवागमन के लिए संचालित होंगी।

सात शहरों से शुरू होगा पहला चरण : पहले चरण में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड को शामिल किया गया है। इंदौर में सबसे अधिक 145 बसें संचालित होंगी। इनमें 50 अंतरनगरीय और 95 शहर के भीतर चलने वाली बसें शामिल हैं। भोपाल में 106 बसें चलेंगी, जिनमें 23 अंतरनगरीय और 83 शहर के भीतर की बसें होंगी।

जबलपुर में 67 बसों का संचालन होगा। इनमें 14 अंतरनगरीय और 53 शहर के भीतर चलेंगी। रीवा में 18, देवास में 10, कटनी में तीन और भिंड में दो बसें संचालित की जाएंगी। इन चार शहरों में शुरुआती चरण में अंतरनगरीय बस सेवा पर जोर रहेगा।

2031 तक 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतें जोड़ने का लक्ष्य : सरकार ने वर्ष 2031 तक प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। दीर्घकालिक योजना के तहत प्रदेश में 15 हजार से अधिक आधुनिक सार्वजनिक बसें संचालित करने की तैयारी है। इससे प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ प्रदेश में 180 से अधिक बस स्टैंड, टर्मिनल और डिपो के कायाकल्प की योजना भी प्रस्तावित है। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ बस संचालन के लिए जरूरी आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक बसों और स्वच्छ ईंधन पर जोर : सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों और स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का जोर परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने पर भी रहेगा। इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार के साथ चार्जिंग ढांचे को विकसित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा।

वास्तविक समय में होगी बसों की निगरानी : मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत बसों की निगरानी इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से की जाएगी। मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड तथा उसकी सात सहायक कंपनियों में नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों से बसों की स्थिति, मार्ग, संचालन और समयबद्धता की वास्तविक समय में निगरानी की जाएगी।

महिला और बाल सुरक्षा पर विशेष ध्यान : बसों में महिला और बाल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे। सभी बसों को सात सीसीटीवी कैमरों, आपातकालीन बटन और वाहन की वास्तविक समय स्थिति की निगरानी करने वाली व्यवस्था से लैस करने की योजना है। यात्रियों के लिए सूचना प्रणाली, चालकों का तकनीकी प्रशिक्षण और शिकायत निवारण तंत्र भी विकसित किया जाएगा।

निजी बस संचालकों की भी होगी भागीदारी : योजना में निजी बस संचालकों को शामिल करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल अपनाया जाएगा। बस संचालन के अलावा विज्ञापन और माल परिवहन जैसी गैर-किराया गतिविधियों से आय बढ़ाने की भी योजना है। सरकार के अनुसार सार्वजनिक परिवहन के विस्तार से बस संचालन, विद्युत वाहन, चार्जिंग ढांचा, वाहन निर्माण और तकनीकी सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

गायत्री जागृति केंद्र पर जाप और दीप यज्ञ संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

सुभाष नगर हजीरा स्थित गायत्री जागृति केंद्र पर सामूहिक दो घंटे का गायत्री जाप एवं दीप महायज्ञ आयोजित किया गया। दीप यज्ञ आचार्य भक्त दर्शन बरोलिया ने संपन्न कराया। इस दौरान गायत्री परिजनों ने विश्व कल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक प्रार्थना की। कार्यक्रम में करीब 70 गायत्री परिजन शामिल हुए। इनमें अशोक गुप्ता सूर्यवंशी, अनूप तोमर, रूपी शिवहरे, सुमित्रा तोमर, मुन्नी तोमर, उषा राठौर, गुड़िया तोमर, गीता नरवरिया और प्रेमवती परमार सहित अन्य परिजन उपस्थित रहे। जागृति केंद्र के आचार्य रामनारायण राठौर ने बताया कि 26 सितंबर से प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे के बीच पितृ तर्पण एवं पिंडदान निःशुल्क कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक सभी सामग्री केंद्र की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन से विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई और आधुनिक तकनीक का बढ़ेगा उपयोग : शुक्ल

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। टीबी स्क्रीनिंग में एआई आधारित एक्स-रे तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। स्क्रीनिंग, रोग पहचान और उपचार को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई तकनीक और रोबोटिक्स आधारित व्यवस्थाओं पर भी काम किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री बुधवार को भोपाल में आयोजित 'मोदी 25 – विकसित भारत, बढ़ता मध्यप्रदेश' कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विषयों पर संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को शून्य स्तर तक लाने का है। इसके लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना, मानव संसाधन, जांच-उपचार सुविधाओं और जनजागरूकता पर जोर दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच के लिए चिकित्सकीय अमले और आशा कार्यकर्ताओं के साथ परिवार तथा पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

डिंडौरी में 102 करोड़ के आयुर्वेद महाविद्यालय का शुभारंभ, 2031 तक ग्राम पंचायतों तक आयुष सेवाएं पहुंचाने की तैयारी

आयुर्वेद दिवस पर 184 करोड़ की सौगात, 25 आयुष भवनों का लोकार्पण-भूमिपूजन

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को 184 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 25 आयुष भवनों, चिकित्सालयों और महाविद्यालयों की सौगात दी। भोपाल स्थित पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 4.70 करोड़ रुपए की लागत से बने 12 आयुष भवनों का लोकार्पण किया, जबकि 179 करोड़ रुपए की लागत से 13 आयुष भवनों, चिकित्सालयों और आयुर्वेद महाविद्यालयों की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय बहुल डिंडौरी जिले में 102 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित आयुर्वेद महाविद्यालय का शुभारंभ भी किया। इसके साथ ही आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में छह एकड़ क्षेत्र में विकसित स्टेट कंपोजिट हर्बल गार्डन का लोकार्पण किया। पंडित खुशीलाल महाविद्यालय में स्थापित हर्बल गार्डन ऑफ स्टेट इंपोर्टेंस के जनप्रवेश की शुरुआत भी की गई। आयुष वेलनेस पर्यटन केंद्रों के नए नामों का अनावरण करते हुए इन्हें अब आयुष आरोग्यम धाम के नाम से जाना जाएगा।

आयुर्वेद को मिल रहा लगातार प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को दुनिया में फिर से प्रतिष्ठा मिली है। आयुर्वेद केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोग से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली पर जोर देता है। आहार, विचार और व्यवहार में संतुलन बनाए रखना इसकी विशेषता है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में भी योग, प्राणायाम और आयुर्वेद की उपयोगिता सामने आई।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक आयुष का वैश्विक बाजार करीब तीन अरब डॉलर था, जो अब बढ़कर 43 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। आयुष इंटर्न चिकित्सकों के मानदेय बढ़ाने की मांग पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में आयुष मंत्री से चर्चा के बाद आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं और जल्द ही इंटर्न चिकित्सकों को अच्छी खबर मिलेगी।

ग्वालियर में 1916 में बना था पहला आयुर्वेद महाविद्यालय : मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आयुर्वेद शिक्षा के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में पहला आयुर्वेदिक महाविद्यालय भवन 1916 में ग्वालियर में बना था। इसके बाद 1972 में जबलपुर, इंदौर और उज्जैन में महाविद्यालय स्थापित हुए। वर्तमान में सरकार ने प्रदेश में नौ नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय स्थापित करने की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 की तुलना में आयुष विभाग के बजट में 16 गुना वृद्धि की गई है। प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 12 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र खोले जा रहे हैं। पर्यटन के माध्यम से भी आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

यूपीआइ पर एमडीआर: सुविधा बनी रहे, बोझ आम आदमी पर न आए

डिजिटल भुगतान की रफ्तार और भरोसा कायम रखने के लिए छोटे दुकानदारों व उपभोक्ताओं को शुल्क से बाहर रखना जरूरी

आजकल जब भी यूपीआइ पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लगाने की बात सामने आती है, मुझे चिंता होती है। पिछले कुछ वर्षों में यूपीआइ ने हमारी जिंदगी जितनी आसान बनाई है, उतनी शायद ही किसी दूसरी भुगतान व्यवस्था ने बनाई हो। सब्जी वाले से लेकर बड़े शोरूम तक, हर जगह मोबाइल निकालिए और कुछ सेकंड में भुगतान हो जाता है। न नकदी गिनने का झंझट, न बैंक जाने की जरूरत और न छुट्टे पैसों की चिंता। यह सुविधा इसलिए इतनी तेजी से लोगों की आदत बनी क्योंकि यूपीआइ पर आम तौर पर सीधे उपभोक्ता से कोई शुल्क नहीं लिया जाता।

आंकड़े खुद बता रहे कहानी: यूपीआइ का इस्तेमाल किस रफ्तार से बढ़ा है, इसे समझने के लिए इसके लेनदेन के आंकड़े काफी हैं। मई में यूपीआइ के जरिए लेनदेन 25 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 23 प्रतिशत ज्यादा बताया गया। यह सिर्फ किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म की सफलता नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत है कि यूपीआइ देश के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की भुगतान व्यवस्था बन चुका है।

मेरी पहली चिंता यही है कि जिस व्यवस्था ने इतने बड़े स्तर पर काम किया है, उसमें बदलाव की जरूरत क्यों पड़ रही है। यूपीआइ की सबसे बड़ी ताकत ही इसकी सरलता और कम लागत है। शुल्क चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, इसकी शुरुआत होने के बाद भविष्य में इसके दायरे को लेकर आशंकाएं बनी रहेंगी। लोगों के मन में यह सवाल भी रहेगा कि आज बड़े लेनदेन पर शुल्क है तो कल इसकी सीमा और नीचे तो नहीं जाएगी।

छोटे दुकानदारों पर पड़ सकता है असर

दूसरी बड़ी चिंता छोटे व्यापारियों को लेकर है। रेहड़ी-पटरी वाले, छोटी किराना दुकानें, चाय की दुकानें और दूसरे छोटे कारोबारी पहले ही कम मार्जिन पर काम करते हैं। उनके लिए हर छोटी लागत मायने रखती है। यदि डिजिटल भुगतान पर किसी तरह का शुल्क लगता है तो उसका असर सीधे उनके मुनाफे पर पड़ सकता है।

अभी यदि केवल 2,000 रुपए से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लगाने की बात कही जाती है, तब भी सीमा-रेखा पर कारोबार करने वाले व्यापारियों के बीच यह चिंता स्वाभाविक है कि आगे चलकर यह सीमा कम हो सकती है। इसलिए किसी भी प्रस्ताव पर विचार करते समय छोटे कारोबारियों के हित को सबसे पहले देखना चाहिए।

डिजिटल से नकदी की ओर लौटने का खतरा

तीसरी बात यह है कि यदि डिजिटल भुगतान महंगा हुआ तो कुछ लोग फिर नकद भुगतान की ओर लौट सकते हैं। पिछले वर्षों में देश ने डिजिटल और कैशलेस अर्थव्यवस्था की दिशा में जो प्रगति की है, वह इस बदलाव से प्रभावित हो सकती है। डिजिटल भुगतान से लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ती है, रिकॉर्ड तैयार होता है और कारोबार के औपचारिक होने में मदद मिलती है। इसका असर कर संग्रह और वित्तीय समावेशन पर भी पड़ता है।

चौथी बात नीति की स्पष्टता से जुड़ी है। जब इस तरह के शुल्क को लेकर बार-बार चर्चाएं और अटकलें सामने आती हैं और सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी पड़ती है, तो इससे लोगों में अनिश्चितता पैदा होती है। यूपीआइ जैसे बड़े सार्वजनिक डिजिटल ढांचे के मामले में स्पष्ट और स्थायी नीति जरूरी है।

सिस्टम चलाने की लागत भी समझनी होगी

हालांकि, इस मुद्दे का दूसरा पहलू समझना भी जरूरी है। भुगतान कंपनियों और बैंकों को यूपीआइ लेनदेन की प्रक्रिया पूरी करने में वास्तविक खर्च आता है। सर्वर, साइबर सुरक्षा, तकनीकी ढांचा और लगातार बढ़ते लेनदेन के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश करना पड़ता है। यह व्यवस्था पूरी तरह बिना लागत के नहीं चल सकती।

यदि यूपीआइ को लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनाए रखना है तो इसके लिए राजस्व के विकल्पों पर भी विचार करना होगा। खासकर बहुत बड़े व्यापारिक लेनदेन के मामले में ऐसा मॉडल तलाशा जा सकता है, जिसमें आम उपभोक्ता और छोटे व्यापारी प्रभावित न हों। यदि बड़े व्यापारियों के बहुत बड़े लेनदेन पर ही सीमित शुल्क लगाया जाए और आम आदमी की जेब पर इसका कोई असर न पड़े, तो इस विकल्प पर चर्चा की जा सकती है।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शुल्क की व्यवस्था स्पष्ट सीमा और नियमों के साथ हो। आम उपभोक्ता, छोटे दुकानदार और छोटे कारोबारियों को किसी भी अतिरिक्त बोझ से बचाना जरूरी है।

यूपीआइ सिर्फ तकनीक नहीं, रोजमर्रा की जरूरत

मेरी निजी राय यही है कि यूपीआइ को जितना संभव हो, आम उपभोक्ता और छोटे व्यापारियों के लिए मुफ्त रखा जाना चाहिए। यह केवल भुगतान की तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है।

इस व्यवस्था में बदलाव करने से पहले इसके आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का व्यापक आकलन होना चाहिए। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए जिस भरोसे और सहजता ने यूपीआइ को घर-घर पहुंचाया है, उसे बनाए रखना सबसे जरूरी है। सरकार, बैंक और भुगतान कंपनियां ऐसा रास्ता तलाशें, जिसमें व्यवस्था की लागत भी पूरी हो और आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ भी न पड़े।

- मयूरा मेहता
सीएआइटी कन्वीनर, भोपाल

सेवा संकल्प अभियान -सेवा की कहानी

दलारना खुर्द में आसान हुई पेयजल की उपलब्धता

श्योपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामों में नल से जल आसानी से उपलब्ध हो रहा है। ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिलने से यह योजना उनके लिए वरदान बन गई है।

यह कहानी है ग्राम पंचायत रायपुरा के ग्राम दलारनाखुर्द की, जो कि एक छोटा सा ग्राम है, कभी यहां पेयजल का बड़ा संकट था, पूरा गांव पानी के लिए हैंडपम्पों पर निर्भर था, ऐसे में रोजमर्रा की जरूरतो के लिए हैंडपम्प चलाकर पानी भरना पडता था, लेकिन जल जीवन मिशन की पेयजल योजना से अब गांव में हर घर में नल से जल सुगमता से पहुंच रहा है।

जल जीवन मिशन अंतर्गत यहां वर्ष 2022 में 58.44 लाख की नलजल योजना स्वीकृत हुई और 10 माह लगातार कार्य चलने के बाद 50 किलोलीटर क्षमता की पानी की एक उच्च स्तरीय टंकी बनाई गई, इसके साथ ही 20 कि.ली. का सम्पवेल बनाया गया तथा 4720 मीटर पाईपलाइन बिछाई गयी, जिसके माध्यम से पूरे गांव में 196 नल कनेक्शन किये गये।

पिछले दो साल से नलजल योजना का सुचारू संचालन हो रहा है, ग्राम पंचायत द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है तथा प्रति नल कनेक्शन 60 रूपये प्रतिमाह जलकर की राशि प्राप्त की जा रही है, जिससे आवश्यकता पडने पर योजना का संधारण कराया जाता है। श्रीमती रामवती बाई के लिए पानी भरना पहले रोजमर्रा की बड़ी चुनौती थी। उन्हें हैंडपंप पर घंटों कतार में लगकर पानी भरना पड़ता था, जिसमें काफी समय और शारीरिक श्रम लगता था। जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर में नल से जल उपलब्ध होने के बाद श्रीमती रामवती बाई के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब उन्हें पानी के लिए घंटों लाइन में नहीं लगना पड़ता। घर पर ही नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से उनका पानी भरने का श्रम और समय दोनों कम हुए हैं। श्रीमती रामवती बाई कहती हैं कि घर में नल से पानी आने से रोजमर्रा का जीवन आसान हो गया है।

साफ-सफाई के प्रति बच्चों को किया जागरूक

श्योपुर, जीएनएस। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान श्योपुर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत बी.एस. अकेडमी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साफ-सफाई एवं व्यक्तिगत स्वच्छता को लेकर चर्चा कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन शिक्षण संस्थान की सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कुसुम जादौन ने कहा कि स्वच्छता स्वस्थ और सुखी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वच्छ वातावरण से बीमारियों से बचाव होता है और जीवन बेहतर बनता है। घर, विद्यालय, कार्यस्थल एवं सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ अपने घर, विद्यालय एवं आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बी.एस. अकैडमी के संस्थापक श्री भगवान सिंह, जन शिक्षण संस्थान की सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कुसुम जादौन एवं श्रीमती प्रीति भार्गव सहित अकैडमी के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कहानी बदलाव की: शिवांग गर्ग ने साकार किया स्व-रोजगार का सपना, स्थापित की अपनी ''प्रिंटिंग प्रेस''

शिवपुरी, जीएनएस। जिले के कोलारस अप्रोच रोड मानीपुरा निवासी युवा शिवांग गर्ग अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद स्व-रोजगार स्थापित करना चाहते थे। ग्रेजुएशन की पढ़ाई के उपरांत घर पर रहकर माता-पिता एवं अभिभावकों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर थी। स्थानीय स्तर पर ही कोई स्थाई व्यवसाय शुरू करने की सोच के साथ वे निरंतर अवसरों की तलाश कर रहे थे, ताकि परिवार के समीप रहकर ही आत्मनिर्भर बना जा सके।

इसी दौरान शिवांग को केंद्र शासन की ''प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम'' योजना की जानकारी प्राप्त हुई। योजना के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्राप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र शिवपुरी में

पदस्थ अधिकारियों से संपर्क किया। अधिकारियों द्वारा योजना की पात्रता एवं सब्सिडी की पूर्ण जानकारी मिलने के बाद शिवांग ने ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। प्रकरण स्वीकृत होने के उपरांत केनरा बैंक शाखा कोलारस द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराकर उन्हें 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया गया।

व्यवसाय का विस्तार व आधुनिक प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना

बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता के बल पर शिवांग गर्ग ने अपनी खुद की व्यावसायिक इकाई गर्ग प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत की। उन्होंने आधुनिक फ्लेक्स एवं प्रिंटिंग मशीनों को स्थापित किया, जिससे गुणवत्तापूर्ण छपाई का कार्य शुरू हुआ। उत्कृष्ट कार्य एवं बेहतर सेवाओं के दम पर बाजार में उनकी प्रिंटिंग प्रेस की मांग तेजी से बढ़ी, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और व्यवसाय सुचारू रूप से स्थापित हो गया।

सामाजिक प्रभाव एवं रोजगार सृजन: शिवांग गर्ग न केवल स्वयं एक सफल और आत्मनिर्भर उद्यमी बने हैं, बल्कि उन्होंने अपनी इकाई में 3 अन्य स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी प्रदान किया है। आज वे क्षेत्र के अन्य शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं के लिए एक मिसाल और प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं, जो नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वयं का व्यवसाय शुरू करने की सोच रखते हैं।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा युवाओं को मिल रहे सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से जिले में स्व-रोजगार को नई गति मिल रही है। सफल उद्यमी शिवांग गर्ग ने अपनी इस उपलब्धि और सफलता के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, जिला प्रशासन का हृदय से आभार व धन्यवाद व्यक्त किया है।

इंटक मैदान में भरे पानी को निकालने के निगमायुक्त ने दिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम कार्यालयों में कर्मचारी समय पर पहुंच रहे हैं, अथवा नहीं यह जांचने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 4 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर को चेक किया। इसके बाद निगमायुक्त ने हजीरा क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां की समस्याओं को देखा और उनकी निराकरण के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री श्री शिशिर श्रीवास्तव, श्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री श्री रामबाबू दिनकर, श्री कार्तिक पटेल, श्री राजेश परिहार, क्षेत्राधिकारी श्री अभय सिंह तोमर, स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय ठाकुर आदि उपस्थित थे।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 4 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने हाजिरी रजिस्टर चेक किया, इसके बाद उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय सीमा के अंतर्गत सभी बकायेदारों की जानकारी ली, साथ ही सम्पत्तिकर आदि की जानकारी ली और संपत्ति कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने रमटा पुरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें वहां पर सीवर की समस्या मिली, निगमायुक्त ने सीवर समस्या हल करने के निर्देष दिए। वहीं स्थानीय निवासियों ने बताया कि रमटापुर क्षेत्र में गंदगी रहती है, निगमायुक्त ने क्षेत्र में सफाई कर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के निर्देष साथ ही आसपास की गलियों का निरीक्षण करते हुए वहां पर व्याप्त समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मान मंदिर टॉकीज के पास सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था नहीं होने पर स्थानीय लोगों की मांग पर सार्वजनिक शौचालय बनाने के निर्देष दिए हैं।

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने पर जोर

डॉ. भूपेन्द्र विकल

इंदौर। चिखली स्थित श्री आनंद ध्यान योग आश्रम एवं गोशाला में रविवार को गो एवं गोशाला उत्थान संघ मध्य प्रदेश की इंदौर-उज्जैन संभागीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसमें इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, गोशाला संचालकों एवं गौरक्षकों ने गौशालाओं के संचालन, भूमि, अनुदान, चारा, बिजली-पानी, गोचर भूमि संरक्षण तथा संगठन को मजबूत करने सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव एवं विचार रखे।

संगोष्ठी की अध्यक्षता संरक्षक गुरुदेव सुख देव बाबा ने की। इस अवसर पर राधे गोविंद जी महाराज, साध्वी प्रीति दीदी, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष साध्वी कृष्णा दीदी कुसमनिया, प्रदेश महामंत्री गोपाल अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद मेहता, प्रदेश महामंत्री अनुसीह राठौर, जिला अध्यक्ष इंदौर सीमा सेन सहित अनेक पदाधिकारी, गोशाला संचालक एवं गौरक्षक उपस्थित रहे।

गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग: संगोष्ठी में प्रदेश की गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने का विषय प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि गोचर भूमि सुरक्षित होने से गोवंश के लिए पर्याप्त चराई क्षेत्र उपलब्ध हो सकेगा और गौशालाओं को भी इसका लाभ मिलेगा।

मितेश अहीर, नीमच ने कहा कि प्रदेश की सभी गौशालाओं के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए।

विक्रम सिंह, नीमच ने सुझाव दिया कि जिन स्थानों पर गौशालाएं वर्षों से संचालित हो रही हैं, वहां नियमानुसार भूमि आवंटन की प्रक्रिया सरल कर संचालकों को स्थायित्व दिया जाना चाहिए।

साध्वी सीतानद गिरी महामंडलेश्वर ने कहा कि गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के प्रयासों में वे संगठन के साथ हमेशा खड़ी रहेंगी।

जनसहयोग से मजबूत होंगी गौशालाएं

प्रदेश महामंत्री गोपाल अग्रवाल, इंदौर ने कहा कि प्रत्येक गौशाला में रोटी संग्रहण के लिए वाहन की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे शहरों एवं आसपास के क्षेत्रों से रोटियां एकत्रित कर उनका उपयोग गोवंश के आहार में किया जा सके।

विमल जी जैन, नीमच ने समाज के लोगों को गौशालाओं से जोड़कर जनसहयोग के माध्यम से गौशालाओं में विकास कार्य कराने की आवश्यकता बताई।

साध्वी प्रीति दीदी, निरंजनी अखाड़ा महामंडलेश्वर ने नंदी सेवा को बढ़ावा देने तथा युवाओं को गौशालाओं से जोड़ने पर जोर दिया

राधे गोविंद जी महाराज ने कहा कि प्रदेश की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने गौशालाओं के साथ संत समाज को जोड़ने की आवश्यकता भी बताई।

साध्वी कृष्णा दीदी कुसमनिया ने कहा कि पंचगव्य के माध्यम से गोमाता और समाज को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया जा सकता है।

भोपाल में प्रदेश कार्यालय खोलने का प्रस्ताव

संरक्षक गुरुदेव सुख देव बाबा ने संगठन के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए भोपाल में प्रदेश कार्यालय प्रारंभ करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यालय होने से संगठनात्मक गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने में सुविधा होगी।

समय पर अनुदान एवं बिजली-पानी की व्यवस्था की मांग

प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा ने गौशालाओं को भूमि आवंटन की प्रक्रिया सरल करने, समय पर अनुदान राशि उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक माह अनुदान जारी करने के लिए निश्चित तिथि निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि में वृद्धि, बिजली-पानी की व्यवस्था तथा हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने का विषय भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य प्रदेश की प्रत्येक संचालित गौशाला को संगठन से जोड़ना है, ताकि गौशालाओं की समस्याओं को संगठित रूप से शासन के समक्ष रखा जा सके। साथ ही सड़कों पर भटक रहे गोवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं में आश्रय दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने 'गो सम्मान आह्वान अभियान' को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों से कहा गया कि वे केवल बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि गौशालाओं के ग्राउंड स्तर तक पहुंचकर संचालकों से संपर्क करें और उन्हें संगठन से जोड़ें। इंदौर एवं उज्जैन संभाग से आए गोशाला संचालकों, पदाधिकारियों एवं गौरक्षकों ने गौशालाओं के हित में एकजुट होकर कार्य करने तथा संगठन को प्रदेश स्तर पर मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान बागेश्वरी गौशाला के संचालकों सहित दोनों संभागों से आए गौशाला संचालकों ने भी गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। भूपेन्द्र पटेल, देवास जिला अध्यक्ष तथा सोनकच्छ से धर्मेंद्र शर्मा, गौरक्षक सहित उपस्थित सभी महानुभावों एवं गौशाला संचालकों ने गौसेवा एवं गौशालाओं के हित में अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

अपर आयुक्त ने सुनीं आमजन की समस्याएं

ग्वालियर, जीएनएस।

आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं मुनीष सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में लाल टिपारा क्षेत्र के निवासियों द्वारा की गई शिकायत में बताया गया है कि ग्रामीणों द्वारा भैंसों का गोबर स्कूल परिसर में डाला जा रहा है, जिसके कारण स्कूल में गंदगी रहती है, साथ ही बाउण्ड्रीवाल भी टूट गई है। साथ ही विधालय के मार्ग में गोबर डाल दिए जाने के कारण

विधालय में पढने के लिए आने वाले छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। इसके साथ ही वार्ड 61 वैष्णो धाम कॉलोनी न्यू सिरोल थाने के सामने के निवासी गणों ने सचिन तेन्दुलकर मार्ग न्यू सिरोल थाना फूटी कॉलोनी से आगे वैष्णो धाम कॉलोनी में मैन रोड पर किये जा रहे अवैध निर्माण को हटवाये जाने के संबंध में, वार्ड 6 प्रजापति मोहल्ला जहांगीर कटरा निवासी श्री जगदीश प्रजापति ने आवेदन देकर शासकीय भूमि पर किये जा रहे अवैध निर्माण को हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 19 महावीर नगर निवासी श्री विजेन्द्र सिंह ने आवेदन देकर बताया कि महावीर नगर लोधी चौक पर काफी दिनों से सीवर सडक पर बह रहा है, आवेदक ने सीवर सफाई कराये जाने के संबंध में अपना आवेदन अपर आयुक्त को दिया। इसके साथ ही विभिन्न समस्याओं से संबंधित 39 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

ग्वालियर विधानसभा में 24 एवं 25 सितम्बर को जल प्रदाय रहेगा प्रभावित

ग्वालियर। 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य के चलते ग्वालियर विधानसभा में दिनांक 24 एवं 25 सितम्बर को जल प्रदाय प्रभावित रहेगा। कार्यपालन यंत्री श्री शिशिर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य हेतु दिनांक 23.09.2026 से 24.09.2026 तक दो दिवस का शटडाउन लिया जाना है, जिस कारण दिनांक 24.09.2026 को होने वाला सीधा जल प्रदाय एवं 25.09.2026 को टंकियों के माध्यम से ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में होने वाला जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

शहर के 74 ब्लैक स्पॉट हुए खत्म

ग्वालियर । शहर को स्वच्छता में अव्वल बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान में अभी तक 74 कचरा ठीया ब्लैक स्पॉट को पूरी तरह खत्म किया गया है। नगर निगम के स्वास्थ्य अमले की विशेष टीमों ने शहर के विभिन्न वार्डों और क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान लंबे समय से कचरा ठीया वाले स्थानों पर जेसीबी व सफाई कर्मचारियों की मदद से पड़ा हुआ सारा मलबा और गंदगी हटाई गई। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि इस विशेष सफाई अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। निगम की लगातार सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते शहर भर में अब तक कुल 74 कचरा ब्लैक स्पॉट खत्म किए जा चुके हैं। जिन स्थानों पर पहले कचरे के ढेर लगे रहते थे और बदबू के कारण लोगों का निकलना दूभर था, उन जगहों को अब साफ-सुथरा कर सुंदर बनाया जा रहा है, ताकि वहां दोबारा कचरा न फेंका जाए। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे खुले और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें और निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके दें।

वाहन क्रमांक 166 से डीजल चोरी संबंधी प्रकरण में प्रभारी फायर ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी, दो दिवस में मांगा स्पष्टीकरण

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर के फायर ब्रिगेड मुख्यालय पर संचालित वाहन क्रमांक 166 मिनी वाटर फोम टैंकर से डीजल चोरी सूचना मिलने पर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा प्रभारी फायर ऑफिसर श्री उमंग प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि उक्त प्रकरण के संबंध में फायर ब्रिगेड द्वारा पूर्व में भी मौखिक एवं लिखित रूप से सूचना दी गई थी। इस संबंध में दिनांक 11 सितंबर 2026 को सूचना-पत्र जारी कर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई किए जाने हेतु लेख किया गया था। बावजूद इसके आज दिनांक तक संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि डीजल चोरी किसके द्वारा एवं किस प्रकार की गई, इस संबंध में कोई विधिवत लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई तथा पूर्व में जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब भी प्रस्तुत नहीं किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने इसे विभागीय नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में गंभीर लापरवाही माना है। आयुक्त श्री चौधरी ने निर्देशित किया है कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली से विभागीय नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण प्रभावित होता है तथा निगम की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नोटिस में संबंधित अधिकारी की कार्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रभारी फायर ऑफिसर श्री उमंग प्रधान को निर्देशित किया गया है कि वे दो दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक

श्रमसाधना

नशे के वैश्विक नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार की तैयारी

वैश्विक स्तरपर आज नशाखोरी केवल किसी एक देश,राज्य या समाज की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा,सार्वजनिक स्वास्थ्य, युवा शक्ति, सामाजिक स्थिरता और अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी बहुआयामी चुनौती बन चुकी है।मादक पदार्थों का अवैध व्यापार सीमाओं,समुद्री मार्गों और आधुनिक संचार साधनों को पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत से जुड़ रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसका प्रभाव केवल नशे का सेवन करने वाले व्यक्ति तकसीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार,शिक्षा,रोजगार,कानून-व्यवस्था और सामाजिक विकास की पूरी संरचना को प्रभावित करता है।भारत ने इस चुनौती के विरुद्ध जन- जागरूकता से लेकर कठोर प्रवर्तन तक अनेक स्तरों पर प्रयास प्रारंभ किए हैं।इसी व्यापक रणनीति के बीच नई दिल्ली में 22 और 23 सितंबर 2026 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल प्रमुखों का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू है।केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा उद्घाटित इस सम्मेलन में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कार्यबल प्रमुखों के साथ संबंधित सरकारी विभागों तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल होकर चर्चा कर रहे हैं।

साथियों, इस सम्मेलन की मूल भावना ÷संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी÷ रखी गई है,जो अपने आप में इस समस्या की प्रकृति को स्पष्ट करती है।मादक पदार्थों का जाल किसी एक विभाग की कार्रवाई से समाप्त नहीं किया जा सकता।इसके लिए पुलिस, खुफिया तंत्र, सीमा सुरक्षा,वित्तीय जांच,स्वास्थ्य व्यवस्था,शिक्षा तंत्र, न्यायिक प्रक्रिया और स्थानीय प्रशासन के बीच लगातार समन्वय आवश्यक है। सरकार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सम्मेलन में मादक पदार्थ नियंत्रण के लिए 2026- 2029 के दृष्टि दस्तावेज में निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति कीसमीक्षा की जा रही है। साथ ही मादक पदार्थों की आपूर्ति घटाने, मांग कम करने तथा इनके कारण होने वाली क्षति को कम करने की रणनीतियों पर भी विचार किया जा रहा है।

साथियों,नशे के विरुद्ध लड़ाई का पहला महत्वपूर्ण पक्ष जन-जागरूकता है।किसी भी समाज में यदि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों के प्रति समय रहते जागरूक किया जाए,परिवारों को संवेदनशील बनाया जाए और विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जाए तो नशे की मांग को कम करने में सहायता मिल सकती है। भारत में नशामुक्त भारत अभियान जैसे प्रयास इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल जागरूकता से समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। यदि एक ओर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाए और दूसरी ओर अवैध तस्करी का नेटवर्क लगातार नई राहें खोजता रहे, तो समस्या का मूल स्रोत बना रहेगा।इसलिए मांग को कम करने के साथ आपूर्ति के स्रोत, तस्करी के मार्ग, वित्तीय नेटवर्क और संगठित आपराधिक संरचनाओं पर भी समान रूप से कार्रवाई आवश्यक है।

साथियों, यही कारण है कि नई दिल्ली सम्मेलन का ध्यान केवल पारंपरिक तस्करी तक सीमित नहीं है। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में मादक पदार्थ तस्करी के संगठित गिरोहों को समाप्त करने, कृत्रिम रूप से तैयार किए जाने वाले नशीले पदार्थों और गुप्त प्रयोगशालाओं से निपटने, अवैध खेती रोकने तथा अंधकारमय अंतरजाल और आभासी मुद्राओं के माध्यम से होने वाली तस्करी की जांच जैसे विषय शामिल हैं। यह बदलाव बताता है कि मादक पदार्थों का अपराध जगत भी तकनीकी साधनों का उपयोग कर रहा है और कानून-प्रवर्तन संस्थाओं को उसी गति से अपनी क्षमता विकसित करनी होगी।विशेष रूप से कृत्रिम नशीले पदार्थों का बढ़ता खतरा प्रशासन के लिए नई चुनौती प्रस्तुत करता है। पारंपरिक मादक पदार्थों की तुलना में कृत्रिम पदार्थों का निर्माण छोटे और छिपे हुए स्थानों पर भी किया जा सकता है। इनके निर्माण में प्रयुक्त रासायनिक पूर्ववर्ती पदार्थों की निगरानी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि इन पदार्थों की वैध औद्योगिक आपूर्ति और अवैध उपयोग के बीच प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित किया जाए,तो अवैध उत्पादन की श्रृंखला को प्रारंभिक स्तर पर ही बाधित किया जा सकता है। इसी दृष्टि से सम्मेलन में पूर्ववर्ती पदार्थों तथा कृत्रिम नशीले पदार्थों के नियंत्रण को अलग रणनीतिक स्तंभ के रूप में सटीकता से रखा गया है।

साथियों,दूसरी बड़ी चुनौती अवैध खेती और ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित होने वाले तस्करी तंत्र की है। केवल फसल नष्ट कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता क्योंकि यदि किसान या स्थानीय समुदाय के सामने वैध और टिकाऊ आजीविका का विकल्प उपलब्ध न हो तो अवैध खेती किसी अन्य क्षेत्र में स्थानांतरित होने का जोखिम रहता है। इसलिए अवैध खेती रोकने के साथ वैकल्पिक फसलों, स्थानीय रोजगार और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने की रणनीति भी आवश्यक है।इस सम्मेलन के तकनीकी विचार-विमर्श में अवैध खेती और वैकल्पिक फसलों को शामिल किया जाना इसी व्यापक दृष्टिकोण की ओर सटीकता से संकेत करता है।

साथियों,नशे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को कमजोर करने के लिए आर्थिक प्रहार भी महत्वपूर्ण है। तस्करी से अर्जित धन जब संपत्ति, व्यवसाय, हवाला व्यवस्था या अन्य वित्तीय माध्यमों में प्रवेश करता है, तब यह अपराध की अगली पीढ़ी को आर्थिक शक्ति प्रदान करता है।इसलिए केवल तस्करों की गिरफ्तारी के बजाय अवैध आय के स्रोत, धन के प्रवाह और अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई पर भी ध्यान देना आवश्यक है।यहां प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या मिलीभगत के आरोप सामने आने पर कानून के अनुसार निष्पक्ष जांच और दोष सिद्ध होने पर उचित कार्रवाई व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है।इसी संदर्भ में प्रशासनिक ÷शून्य सहनशीलता÷ का अर्थ केवल कठोर दंड नहीं, बल्कि कानून का समान, पारदर्शी और जवाबदेह अनुपालन होना चाहिए। मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि पुलिस और प्रशासनिक तंत्र के भीतर सूचना किस गति से साझा होती है, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी कितनी प्रभावी है, जांच कितनी वैज्ञानिक है और विभिन्न एजेंसियां एक-दूसरे के साथ किस स्तर पर समन्वय करती हैं। भारत में सभी राज्यों द्वारा मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल गठित किए जाने की जानकारी पहले से सार्वजनिक है, जिससे राज्य स्तर पर समन्वित कार्रवाई के लिए संस्थागत आधार सटीकता से तैयार हुआ है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवत- अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है।

संपादकीय

निजी विश्वविद्यालयः वैज्ञानिक जवाबदेही की पुकार

निजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक पहुँच बढ़ाई है, नए अकादमिक कार्यक्रम शुरू किए हैं, प्रयोगशालाओं और बुनियादी ढाँचे में निवेश किया है तथा अनुसंधान और नवाचार के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। कई स्थानों पर उन्होंने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और आधुनिक इंजीनियरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों से जुड़ने के अवसर भी प्रदान किए हैं। लेकिन इस विस्तार के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ती है। विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ प्रदान करने वाली संस्था नहीं है। यह ज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान, युवा मन और अंततः समाज के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने वाली संस्था है। इसलिए अकादमिक स्वतंत्रता के साथ अकादमिक जिम्मेदारी और वैज्ञानिक महत्वाकांक्षा के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है।

विज्ञान को प्रमाण की आवश्यकता होती है

विज्ञान की नींव प्रमाण है। वैज्ञानिक दावे परीक्षण योग्य होने चाहिए, अनुसंधान की विधियाँ पारदर्शी होनी चाहिए, आँकड़ों का जिम्मेदारी से उपयोग होना चाहिए और निष्कर्षों को जाँच-पड़ताल के लिए खुला रहना चाहिए। सरकारी हो या निजी, प्रत्येक विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह इन सिद्धांतों की रक्षा करे।

अनुसंधान को केवल प्रकाशित शोध-पत्रों, सम्मेलनों में भागीदारी या घोषित परियोजनाओं की संख्या से नहीं मापा जा सकता। गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी मात्रा। एक स्वस्थ अनुसंधान वातावरण शोधकर्ताओं को कठिन प्रश्न पूछने, परिणामों को ईमानदारी से प्रस्तुत करने, सीमाओं को स्वीकार करने और प्रमाण की माँग होने पर अपनी धारणाओं में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसलिए वैज्ञानिक जवाबदेही का आधार एक सरल सिद्धांत है–ज्ञान की खोज, दिखावे की खोज से अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए। आधुनिक विश्वविद्यालय अक्सर शानदार परिसर, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आकर्षक अकादमिक कार्यक्रमों को प्रमुखता देते हैं। ये सुविधाएँ शिक्षा की गुणवत्ता में योगदान कर सकती हैं, लेकिन केवल बुनियादी ढाँचा ही किसी मजबूत विश्वविद्यालय का निर्माण नहीं करता। किसी संस्था की वास्तविक शक्ति अध्यापन की गुणवत्ता, अनुसंधान की ईमानदारी, शिक्षकों की विशेषज्ञता, विद्यार्थियों के सीखने, प्रयोगशाला प्रक्रियाओं, अकादमिक स्वतंत्रता, नैतिक मानकों तथा उसके विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के समाज में योगदान से दिखाई देती है। किसी विश्वविद्यालय के पास आधुनिक इमारतें और उन्नत उपकरण हो सकते हैं, लेकिन यदि विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, जाँच करने और स्वतंत्र रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता, तो उस बुनियादी ढाँचे का शैक्षिक महत्व सीमित रह जाता है। अनुसंधान की ईमानदारी केंद्र में हो वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ गहरी नैतिक जिम्मेदारी जुड़ी होती है। आँकड़ों की जालसाजी, परिणामों में हेरफेर, साहित्यिक चोरी, अनुचित लेखकीय श्रेय और अकादमिक दुराचार के अन्य रूप केवल किसी एक शोधकर्ता को ही नहीं, बल्कि पूरी संस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचा सकते हैं। इसलिए निजी विश्वविद्यालयों में अनुसंधान नैतिकता, प्लेजरिज्म की जाँच, डेटा प्रबंधन, हितों के टकराव की घोषणा तथा गंभीर आरोपों की स्वतंत्र जाँच के लिए मजबूत प्रणालियाँ होनी चाहिए।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

सफलता की कहानीः हुनर से आई आत्मनिर्भरता ग्वालियर की ग्रामीण महिलाएं गढ़ रहीं बदलाव की नई इबारत

ग्वालियर, जीएनएस।
कभी जिनकी पहचान सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित थी, वही महिलाएं अब अपने हुनर, मेहनत और हौसले से परिवार की आर्थिक रीढ़ बन रही हैं। ग्वालियर जिले के गांवों में एक खामोश मगर मजबूत बदलाव आकार ले रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन का सहारा लेकर जिले की महिलाएं अपने सपनों को नई उड़ान दे रही हैं। आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल गढ़ रहीं महिलायें सही मायने में ÷सेवा-संकल्प अभियान÷ को सार्थक रूप दे रही हैं।

स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से अब तक लगभग 17 करोड़ रुपये की राशि समूहों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। समूहों को नई गतिविधियां शुरू करने में सहयोग दिया जा रहा है, साथ ही उनके उत्पादों की बिक्री के लिए संभागीय ग्रामीण हाट बाजार में प्रदर्शनी और बिक्री की सुविधा भी दी जा रही है।

एक मिशन हजारों कहानियां

जिला पंचायत ग्वालियर द्वारा ग्रामीण आजीविका मिशन से जिले में अब तक 5,220 स्व-सहायता समूह बनाए जा चुके हैं। इन समूहों से करीबन 56 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें से लगभग 3,300 समूहों की महिलाएं झाड़ू निर्माण, रेडीमेड कपड़े, मोती की माला, रुई-बाती, मसाला, पापड़-बड़ी, साबुन, सेनेटरी नैपकिन और फिनाइल निर्माण जैसी गतिविधियों से जुड़कर हर महीने आय अर्जित कर रही हैं। कुछ समूह पारंपरिक खेती को छोड़कर उन्नत और जैविक खेती की ओर भी कदम बढ़ा चुके हैं, जिससे न केवल उनकी आय बढ़ी है बल्कि खेती के तरीके भी बेहतर हुए हैं। इसी तरह घाटीगांव के सोजना गांव की बिंदु गोस्वामी और उनकी साथी महिलाएं भी राखियों के साथ-साथ सजावटी सामग्री और आर्ट क्राफ्ट तैयार करती हैं, जिन्हें संभागीय ग्रामीण हाट बाजार की दुकानों में प्रदर्शित कर बिक्री के लिए रखा जाता है।

राखी के धागों में बुना रोजगार

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह का पर्व है, लेकिन ग्वालियर की ग्रामीण महिलाओं ने इस पावन बंधन को आत्मनिर्भरता की डोर से भी जोड़ दिया है। जनपद मुरार के हस्तिनापुर गांव की रजनी जेठवा, स्व-सहायता समूह %रतनगढ़ बाली माता% की सदस्य हैं। उन्होंने समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर इस बार के रक्षाबंधन पर रंग-बिरंगी और आकर्षक डिज़ाइन की राखियां तैयार कीं। रजनी बताती हैं कि जब तैयार राखियां सीधे शहर की बड़ी दुकानों तक पहुंचती हैं, तो बिचौलिए कम होने से उन्हें अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य मिलता है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण हाट बाजार में जिला प्रशासन द्वारा इस बार राखी मेला लगवाया गया था। वहीं बंधोली गांव की सीमा शर्मा ने राखी बनाने के इस काम में अपने पूरे परिवार को जोड़ लिया। परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर राखियां तैयार कीं और रक्षाबंधन का यह सीजन उनके लिए अतिरिक्त आमदनी का सुनहरा अवसर लेकर आया।

हर त्योहार में छिपा आय का अवसर

इन महिलाओं ने यह सीख लिया है कि साल भर आने वाला हर त्योहार अपने साथ कमाई का एक नया मौका भी लाता है। होली पर समूह की महिलाओं ने हर्बल गुलाल तैयार कर बाजार में उतारा, तो दीपावली के लिए नमकीन, मठरी, देशी घी की मिठाई और पूजन सामग्री जैसे उत्पाद बनाए। यानी त्योहार अब इन महिलाओं के लिए सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि सुनियोजित आमदनी के अवसर बन चुके हैं। झाड़ू और साबुन बनाने से लेकर जैविक खेती तक, राखी और गुलाल से लेकर दीपावली की मिठाइयों तक ग्वालियर की ग्रामीण महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि हुनर को सही अवसर और सही बाजार मिले तो वह परिवार ही नहीं, पूरे गांव की तकदीर बदल सकता है।

समस्त चिकित्सक अभियान चलाकर संचारी रोग को घरों में प्रवेश न करने दे- मौर्य

जालौन, जीएनएस।
संचारी रोग को समाप्त करने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तथा चिकित्सा अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई बीते दिन सोमवार को तहसील कैंपस कार्यालय में आयोजित बैठक में उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने मौजूद चिकित्सा अधिकारियों से कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि 12 अक्टूबर से टीमे घर-घर संचारी रोग को प्रवेश न करने के लिए व्यापक तरीके से अभियान चलाएगी उन्होंने यह भी अवगत कराया कि घर के आसपास पानी का भराव न होने दें तथा नालियों में भी पानी का भराव यदि होता है जिससे संचारी रोग की बीमारी दिनों दिन फैलती है इसलिए सफाई कर्मियों से प्रतिदिन जहां पर पानी का भराव होता हो उसे जगह नाली की सफाई करा कर पानी का भराव न हो सके उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा की संचारी रोग अभियान में किसी भी टीम ने लापरवाही की ऐसी टीम को किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा सीएचसी कालपी अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया ने टीमों से कहा कि घर-घर जाकर घर के मुखिया एवं अन्य परिवार को रोग के बारे में बात कर जागरूक करें बैठक में मौजूद कदौरा चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अरुण तिवारी सीएचसी कालपी अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया बाबई आटा आदि स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक मौजूद थे।

सर्वे एवं राजस्व के कार्यों को समस्त लेखपाल समय से पूरा करें

समस्त लेखपाल विरासत ऑनलाइन प्रार्थना पत्रों को जांच कर तत्काल विरासत करें-मिश्रा

जालौन, जीएनएस।
तहसीलदार नायब तहसीलदारों एवं राजस्व निरीक्षको लेखपालों की उपस्थिति में साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई।

मंगलवार के दिन तहसील कालपी सभागार में आयोजित बैठक पर उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने मौजूद समस्त लेखपालों से कहा कि अधिकारियों के द्वारा दिए गए सर्वे अभियान को तेजगति से चला कर पूरा करें साथ में खरीफ फसल का खेतों में जाकर आकलन कर पूरी रिपोर्ट तैयार कर तहसील की पटल में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा ने समस्त लेखपालों को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित लेखपालों के ग्रामों में जिन परिवार में मृत्यु हो चुकी है उनके द्वारा विरासत आए हुए ऑनलाइन शिकायतों का गंभीरता से ले तत्काल पक्का 11 के तहत खतौनी में दर्ज कर खतौनी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने राजस्व संबंधित लंबित मामलों को लेखपाल समय से पूरा कर जांच आख्या सहित तहसील की पटल में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए उन्होंने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि किसी लेखपाल की बहाने बाजी को बर्दाश्त नहीं करूंगा हर हाल में मुझे दिए गए राजस्व कार्यो को सत प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए बैठक में नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला नायब तहसीलदार मुकेश कुमार नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू राजस्व निरीक्षक प्रमोद द्विवेदी हरेंद्र सिंह सुरेश यादव राजेंद्र सोनी सदर लेखपाल जितेंद्र सिंह लेखपालों में जयपाल सिंह छविनाथ सिंह पाल विभा पल्लवी श्रीवास्तव प्रिया सिंह चौहान शिवमंगल पाठक जितेंद्र राजपूत सुमित यादव राहुल कुमार राघवेंद्र अभिषेक आदि लोग मौजूद थे।

बुढ़वा मंगल पर्व में भक्त जनों ने हनुमान के दरबार में पहुंचकर प्रसाद चढ़ाकर लिया आशीर्वाद

जालौन, जीएनएस।
कडी सुरक्षा के चलते बुढ़वा मंगल पर्व में भक्त गणो ने हनुमान बटाऊ लाल मंदिर आदि विभिन्न हनुमान दरबार में बेसन लड्डू चढ़ाकर सुख शांति हेतु हनुमान लाला से आशीर्वाद प्राप्त किया मौजूद भक्तगणों को प्रसाद वितरण किया जय हनुमान लाला की उद्घोष नारों से दरबार तथा चहुओर सुशोभित होती हुई नगरी रोमांचक साबित हुई।

मंगलवार के दिन बुढ़वा मंगल पर्व में भक्त गणो ने अपने घर से स्नान उपरांत बेसन लड्डू तथा सिंदूर धूप अगरबत्ती आदि पूजन की सामग्री साथ में लेकर सर्वप्रथम अदलसराय स्थित बटाऊ लाल मंदिर दरबार में पहुंचकर मौजूद पुजारी पंडित द्वारा बेसन लड्डू हनुमान लाला दरबार में चढ़ाकर चरण बंधन एवं माथा टेकर स्वयं एवं परिवार खुशहाली हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया इसके उपरांत भक्तगणों ने संबंधित हनुमान लाला मंदिरों में जैसे कालिया मंदिर बेणेश्वर भुवनेश्वर चौकी मंदिर दक्षिण मुखी हनुमान ढोश्वर मंदिर रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर हनुमानगढ़ी मंदिर बनखंडी मंदिर माडवाड़ी हनुमान मंदिर उदनपुरा स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर आदि विभिन्न जगहों में स्थापित हनुमान मंदिर में अलग-अलग भक्तगणों ने पहुंचकर तहसील स्थित हनुमान मंदिर बिहारी मंदिर आदि हजारों भक्तों ने अलग-अलग समय मंदिरों में पहुंचकर बेसन के लड्डू चढ़ाकर मौजूद मिलने वाले भक्तों को प्रसाद वितरण किया मंदिरों में मौजूद भक्तों ने पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया भक्तगणों में पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा शशिकांत सिंह चौहान कल्लू ठाकुर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव बसपा प्रत्याशी कुंवर वीरपाल सिंह चौहान मंडल उपाध्यक्ष राकेश पुरवार अमन द्विवेदी छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी लखन द्विवेदी विजय शुक्ला अंजू गुप्ता रणजीत सिंह यादव शरद तिवारी बिट्टू चतुर्वेदी अशोक गोस्वामी लल्ला शुक्ला अतुल गुप्ता सिंटू अभिषेक गुप्ता पिंटू राहुल मिश्रा दीपक धवन समीर धवन व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता संदीप गुप्ता विधायक प्रतिनिधि मनोज चतुर्वेदी आदि हजारों लोगों ने संबंधित मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना कर पर्व को बड़े हर्षोल्लास के तहत मनाया प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने पर्व में प्रत्येक मंदिरों में पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

भाजपा नेता एवं मित्रवर श्री माधवेन्द्र सिंह परिहार जी के भाजपा दतिया का जिलाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

लालबाग के राजा के दर्शन के साथ देखी मुंबई की चमक-दमक

नरेंद्र तिवारी सेंधवा

मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ अरब सागर के किनारे स्थित देश का प्रमुख शहर है। बरसो से मुंबई के बारे में तरह-तरह के विचार और बातें लिखी गयी। फ़िल्मी गीतों के माध्यम से बॉम्बे, बंबई और मुंबई को समझाया गया। जो मुंबई आ नहीं बाते उन्हें गीतों से मुंबई को समझना पड़ता है। यात्रा के दौरान हम अपनी कार में गाना सुन रहे थै। %मुंबई शहर हादसों का शहर है, यहाँ रोज-रोज किसी मोड़-मोड़ पर होता है, कोई न कोई हादसा% यह 1983 की फ़िल्म हादसा का गीत है, 2026 का मुंबई अधिक आधुनिक और चमकदार हो चूका है। मुंबई की हमारी ताजी यात्रा 19 सितम्बर 26 को हुई। रात तीन बजे हम कोस्टल रोड की टनल से गुजरे, यह टनल मरीन ड्राइव को वर्ली से जोड़ती है। इस टनल की लम्बाई 2.07 किमी है। जिसका एक हिस्सा अरब सागर और मलाबार हिल के निचे से गुजरता है। समुद्र के निचे टनल विज्ञान का चमत्कार है। किंतु इसी रात कोस्टल रोड पर एक तेज गति बीएमडब्लू कार कोस्टल रोड पर भयानक रूप से दुर्घटना ग्रस्त हो गयी जिसमे सवार तीन युवाओं को जान से हाथ धोना पड़ा। एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हमारी मुंबई यात्रा का प्रमुख उद्देश्य लालबाग के राजा के दर्शन करना था। जिसे हमने शनिवार दिन को लम्बी, घुमाओदार यात्रा के बाद दो घंटे में अंजाम तक पहुंचा दिया था। लालबाग़चा राजा दर्शन के लिए दिन भर में लाखों की संख्या में देशभर से लोग आते है। यहाँ कार लेकर जाना काफ़ी मशक्कत भरा है। अधिकृत पार्किंग में जगह नहीं मिलने पर अनाधिकृत स्थानों पर अपना वाहन खड़ा करना पड़ता है, जिसमे ट्रैफ़िक पुलिस की कार्यवाही का भय बना रहता है। खैर हमें अनाधिकृत स्थान का सहारा लेना पड़ा। दो घंटे की लाइन में लगकर लालबाग के राजा का वैभव देखकर थकान जाती रही। यहाँ बैठे स्वयं सेवक से लालबाग़ सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल द्वारा विराजित श्री गणेश की महत्ता जानने का प्रयास किया तो उन्होंने बताया। पहली बार 1934 में लालबाग के राजा की स्थापना की गयी थी। जिसके पीछे का मुख्य कारण 1932 में यहाँ स्थित पेरू की चाल बाजार बंद हो जाने के बाद स्थानीय व्यापारियों, मछूआरो ने स्थाई बाजार के लिए भगवान गणेश से मनोकामना की, मन्नत पूरी होने पर आभार व्यक्त किया एवं 1934 में यहाँ लालबाग के राजा की मूर्ति स्थापित की गयी, जो जबसे अब तक 92 सालो से निरंतर क्रम जारी है। समय के साथ लालबाग के राजा सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल द्वारा पांडाल को आकर्षक एवं सोने चांदी की साज सज्जा से चमकदार और आकर्षक रूप प्रदान किया जाता

रहा है। मान्यता है, लालबागचा राजा के सामने पवित्र मन से मांगी मन्नत पूर्ण होती है।

मुंबई में गणेश उत्सव का जूनून सवार है, हर कोई गणेश उत्सव की मस्ती और भक्ति में मस्त दिखाई दे रहा था। यहाँ परिवारों द्वारा डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन में गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किये जाने की परम्परा है। गणेश प्रतिमा के विसर्जन का क्रम जारी था। ढ़ोल ताशों के साथ महिला पुरुष धूमधाम से गणनायक के विसर्जन में व्यस्त दिखाई दिए।

हमारी मुंबई यात्रा में रात की मुंबई की चमक-दमक देखने की ललक भी शामिल थी। रात की मुंबई का एक स्याहा चेहरा भी दिखाई दिया। स्थानीय रहवासी ने बताया यहाँ हुक्का बार और डांस बार का चलन आम है। पाश्चात संस्कृति से प्रभावित युवक, युवतियाँ देर रात इन क्लबो डांस बार में समय बिताते है। खैर अपना विषय सिर्फ जानना था, वहाँ जाना नहीं। मुंबई की चमचमाती सड़को पर समुद्र पर बने सी लिंक पर रफ़्तार से गुजरते हुए मुंबई की आलीशान ईमारतें जो विधुत तारो सी जगमगा रही थी। इनका फोटो विडिओ बनाने के लिए अपने साइड की खिड़की को खोलकर मोबाइल को हाथ में मजबूती से थामने की आवश्यकता होती है। हर दृश्य को कैमरे में कैद करने का मन करता है। सी लिंक की का निर्माण भी आधुनिक इंजिनियरिंग का कमाल ही है। देर रात घूमते हुए हमने ताज के सामने स्थित अरब सागर के दर्शन किये जैसा की हमारी संस्कृति में सागर को देवता मानने की परम्परा है तो समुद्र देव को नमन किया। यहाँ गेटवे ऑफ इण्डिया पर कुछ लोग ही थै, बताता गया की गेटवे ऑफ इण्डिया पर नौका विहार बंद होने के कारण रात की अपेक्षा दिन में अधिक जन समूह दिखाई देता है। यहीं गेटवे ऑफ इण्डिया के सामने मुंबई का प्रसिद्ध ताज़ महल प्लेस होटल स्थित है। ताज महल प्लेस की अपनी कहानी है। इसका निर्माण 16 दिसम्बर 1903 में उद्योगपती जमशेदजी टाटा द्वारा करवाया गया था. इसके पीछे यह कहानी प्रचलित है की जमशेदजी टाटा को ब्रिटिश काल में होटल वाटसन में प्रवेश करने से रोक दिया था, क्योंकि उसमे केवल गोरे अंग्रेजो को जाने की अनुमति थी। ताज़ महल प्लेस होटल की शान भी देखते बनती है। भारत की शान वाह ताज देखते हुए हम मरीन ड्रॉइव पहुँचे यहाँ रात के चार बजे खडे रहने की जगह नहीं थी। इसका कारण यह बताया गया की शनिवार रविवार-अवकाश होना है। एक मुंबई के रहवासी से भीड़ का कारण पूछने पर उसने बताया की मुंबई में लोग सप्ताह में 6 दिन बदन तोड़ मेहनत करते है। शनिवार और रविवार परिवार के साथ बिताते है। अवकाश और गणेश उत्सव दोनों ही मरीन ड्राइव की भीड़ का कारण बताए गए। मरीन ड्राइव पर तीन से चार किमी समुद्र की पाल पर लोगो का जमावड़ा बना हुआ था। यहाँ आसपास खाने पिने की दुकानों पर इतनी भीड़ की नम्बर लगने में आधा घंटे से अधिक समय लग रहा था।

मुंबई बहुत बड़ा है, इसे देखने और समझने में महीनों लग जाते है। 1956 की एक फ़िल्म है, सीआईडी इस फ़िल्म का बहु चर्चित गाना है,%ऐ दिल मुश्किल जीना यहाँ, जरा हट के जरा बच के ये है बॉम्बे मेरी जा। गीत के आगे की कढ़ी कहीं बिल्डिंग कहीं ट्रामें कहीं मोटर कहीं मिल, मिलता है यहाँ सबकुछ इक मिलता नहीं दिल। फ़िल्म का गीत है मुंबई के उस दौर के चित्र को प्रस्तुत कर रहा है। मुंबई को समझने के लिए एक दो दिन नहीं एक दो बरस भी कम है। किंतु गायकों, लेखकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से मुंबई के जिस चित्र को उकेरा है। लालबाग के राजा के दर्शन के बहाने जैसी मुंबई दिखी बताने की कोशिश की है। भारत का प्रमुख शहर मुंबई फ़िल्म कलाकारों के बिना अधूरा है जिसका मैंने कोई जिक्र नहीं किया है, अगली मुंबई यात्रा फ़िल्म सिटी और कलाकारों को देखने समझने की कोशिश में ख़र्च होंगी।

कोई तो सुने गरीब की गूंज कोई तो करें मजदूर से संवाद

आजकल देश में संवादों का मौसम है। कोई ÷छात्रों की गूंज÷ लेकर मैदान में है, कोई ÷युवा संवाद अभियान÷ चला रहा है, तो कोई ÷छात्र जागरूकता पखवाड़ा÷ आयोजित कर रहा है। अलग-अलग विचारधाराओं और संगठनों की अपनी-अपनी रणनीतियां हैं। युवाओं को जोड़ने की कोशिशें हो रही हैं, उन्हें अपने विचारों से प्रभावित करने के प्रयास हो रहे हैं।

लोकतंत्र में संवाद जरूरी है। युवा देश की शक्ति हैं और उनके सवालों को सुनना भी जरूरी है।

लेकिन इसी भीड़ में एक सवाल कहीं दब जाता है, गरीब से संवाद कौन करेगा? मजदूर की गूंज कौन सुनेगा? उस परिवार की परेशानी कौन पूछेगा, जिसकी महीनेभर की कमाई महीना खत्म होने से पहले ही खत्म हो जाती है?

राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में युवाओं पर विशेष ध्यान स्वाभाविक है, खासकर चुनावी समय में। लेकिन देश केवल छात्रों और युवाओं से नहीं बनता। देश उस मजदूर से भी बनता है जो सुबह काम की तलाश में निकलता है। उस छोटे दुकानदार से भी बनता है जिसकी दुकान का किराया, बिजली और घर का खर्च लगातार बढ़ रहा है। उस किसान से भी बनता है जो फसल उगाता है लेकिन अपने ही घर का बजट जोड़ते समय परेशान होता है। उस निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार से भी बनता है जो गरीबी की औपचारिक परिभाषा में भले न आता हो, लेकिन हर महीने किसी न किसी खर्च के सामने खड़ा होकर सोचता है, ÷इस बार कहां कटौती करें?÷

गरीबी केवल खाली जेब का नाम नहीं है। कभी-कभी गरीबी वह भी होती है जब बच्चे की अच्छी शिक्षा चाहने के बावजूद फीस का हिसाब देखकर माता-पिता चुप हो जाएं। गरीबी वह भी है जब घर में किसी की तबीयत खराब हो और अस्पताल का अनुमान सुनकर परिवार दवा और दूसरी जरूरत के बीच चुनाव करने लगे। गरीबी वह भी है जब महीने के आखिरी सप्ताह में रसोई का सामान खरीदने से पहले जेब कई बार टटोली जाए।

भारत ने पिछले वर्षों में गरीबी कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। विश्व बैंक के 2026 के आकलन के अनुसार 2011-12 से 2023-24 के बीच 4.20 प्रतिदिन की निम्न-मध्यम-आय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी दर 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हुई। फिर भी उसके अनुमान के मुताबिक लगभग 23.2 करोड़ लोग इस मानक से नीचे थे।

ये आंकड़े केवल रिपोर्ट के पन्नों पर लिखे हुए अंक नहीं हैं। इनके पीछे करोड़ों जीवन हैं, आकांक्षाएं हैं, अधूरे सपने हैं और रोजमर्रा की जद्दोजहद है।

आज आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता हमेशा बड़ी राजनीतिक बहस नहीं होती। उसकी चिंता कभी-कभी बेहद छोटी दिखाई देने वाली चीजों में छिपी होती है—रसोई का बढ़ता खर्च, बच्चों की फीस, मकान का किराया, बिजली का बिल, दवाइयों का खर्च और नौकरी की अनिश्चितता।

जिस परिवार की आमदनी सीमित है, उसके लिए हर बढ़ती कीमत केवल एक आंकड़ा नहीं होती। वह उसके घर के बजट में एक नई कटौती होती है। और सबसे कठिन स्थिति उस निम्न-मध्यमवर्ग की है जो न तो पर्याप्त रूप से गरीब माना जाता है कि हर सहायता उस तक आसानी से पहुंच जाए और न इतना संपन्न कि बढ़ते खर्चों को बिना परेशानी के वहन कर सके।

वह बस अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए चुप रहता है। वह मदद मांगना नहीं चाहता, लेकिन राहत चाहता है। वह दया नहीं चाहता, लेकिन अवसर चाहता है। वह मुफ्तखोरी नहीं चाहता, लेकिन ऐसी व्यवस्था चाहता है जिसमें मेहनत करने के बाद सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। यही वह वर्ग है जिससे संवाद की सबसे अधिक जरूरत है।

हमें ऐसे अभियान भी दिखाई देने चाहिए जिनके नाम हों, ÷गरीब की गूंज÷, ÷मजदूर से संवाद÷, ÷मध्यमवर्ग की बात÷ और ÷परिवार की अर्थव्यवस्था पर मंथन।÷

कोई मंच पर खड़े होकर यह पूछे कि महीने की आय में भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास का खर्च निकालने के बाद परिवार के पास बचता क्या है? कोई यह पूछे कि बीमारी आने पर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार की सुरक्षा कैसे होगी? कोई यह पूछे कि शिक्षा ऐसी कैसे बने कि माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए कर्ज के बोझ में न दबें? कोई यह पूछे कि रोजगार ऐसा कैसे हो जिसमें मेहनत करने वाले व्यक्ति को केवल काम ही नहीं, सम्मानजनक जीवन भी मिल सके?

युवाओं से संवाद कीजिए। छात्रों से संवाद कीजिए। समाज के हर वर्ग से संवाद कीजिए। लेकिन एक बार गरीब की झोपड़ी के दरवाजे पर जाकर यह भी पूछिए कि ÷तुम्हारी जिंदगी में सबसे बड़ी परेशानी क्या है?÷

शायद वहां कोई राजनीतिक भाषण सुनने को न मिले।शायद वहां कोई बड़ी मांग भी न हो। शायद वह केवल इतना कहे, ÷बच्चे पढ़ जाएं, घर में दो वक्त का भोजन बना रहे और बीमारी में इलाज हो जाएज बस।÷

अगर देश की राजनीति और समाज इन छोटी-सी दिखने वाली जरूरतों को समझ पाए, तो संवाद का अर्थ बदल जाएगा। क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट मांगने का नाम नहीं है। लोकतंत्र उस आवाज को सुनने का नाम भी है जो अक्सर सबसे धीमी होती है।

आज जरूरत ऐसे संवाद की है जिसमें गरीब केवल चुनाव के समय याद न आए, मजदूर केवल भाषणों में न दिखाई दे और मध्यमवर्ग केवल टैक्स देने वाला नागरिक बनकर न रह जाए।

वोट पांच साल में एक बार आता है, लेकिन महंगाई की मार हर दिन आती है। फीस हर साल भरनी होती है, किराया हर महीने देना होता है, बिजली का बिल हर महीने जमा करना होता है, दवा की जरूरत अचानक कभी भी पड़ सकती है और परिवार की कोई नई जिम्मेदारी रोज बनी रहती है।

इसलिए सवाल सिर्फ यह नहीं होना चाहिए कि युवा किसके साथ खड़े हैं? सवाल यह भी होना चाहिए, जब युवा अपने भविष्य की चिंता कर रहा है, तब उसके घर का चूल्हा कौन संभालेगा? जब छात्र अपने करियर की लड़ाई लड़ रहा है, तब उसके पिता की बढ़ती दवाइयों का खर्च कौन समझेगा? जब देश भविष्य की बात कर रहा है, तब वर्तमान में संघर्ष कर रहे करोड़ों परिवारों की चिंता कौन करेगा?

कोई तो आए जो गरीब की गूंज सुने। कोई तो आए जो मजदूर से संवाद करे। कोई तो आए जो मध्यमवर्ग के मौन को समझे। क्योंकि देश केवल उन आवाजों से नहीं बनता जो मंचों से सबसे तेज सुनाई देती हैं। देश उन खामोश आवाजों से भी बनता है, जो रोज मेहनत करती हैं, टैक्स देती हैं, बच्चों को पढ़ाती हैं, परिवार पालती हैं और फिर भी महीने के अंत में अपनी खाली जेब देखकर चुप हो जाती हैं।

और शायद लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा यही है, क्या सत्ता और समाज उन आवाजों को भी सुनते हैं, जिनके हाथ में न कोई झंडा है, न कोई नारा—सिर्फ मेहनत से कमाई हुई रोटी है?

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया
स्वतंत्र लेखक
इंदौर
मो.9826050406

यातायात, पुलिस और नगर पालिका ने चिन्हित किए अतिक्रमण

अतिक्रमण पर बड़ा एक्शनः प्रमुख बाजारों और चौराहों से हटेंगे हाथ ठेले, चार पहिया वाहनों पर भी लगेगी रोक

शिवपुरी जीएनएस

शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने और प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने अब सख्त कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मंगलवार को यातायात पुलिस एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम ने कोर्ट रोड, गांधी चौक, माधव चौक, पुराना बस स्टैंड और गुरुद्वारा चौक सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर अस्थाई अतिक्रमण को चिन्हित किया। कार्यवाही की रूपरेखा के तहत कोर्ट रोड पर सड़क किनारे खड़े होने वाले हाथ ठेलों को ठंडी सड़क पर शिफ्ट किया जाएगा। वहीं कोर्ट रोड से टेकरी की ओर जाने वाले मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा। गांधी चौक पर मौजूद पटवाओं को भी कोर्ट रोड स्थित सब्जी मंडी के पास स्थानांतरित किया जाएगा।

कोर्ट रोड की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए यहां चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की तैयारी है। चार पहिया वाहनों के लिए पुराना बस स्टैंड स्थित राज पैलेस होटल के सामने पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही माधव चौक पर जूस एवं मिठाई की दुकानों के आगे निर्धारित सीमा तय कर मार्किंग एवं बैरिकेडिंग की जाएगी। तय सीमा से बाहर वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा अस्पताल चौराहे से माधव चौक होते हुए पुराना बस स्टैंड तक तथा गुरुद्वारा चौक से मीट मार्केट तक सड़क पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। संयुक्त टीम की इस कवायद से शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था में सुधार होने तथा राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने शासन से समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की

पेंशन संबंधी देरी से पेंशनधारियों में असंतोष

ग्वालियर जीएनएस

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश मंत्री मुरारी लाल शर्मा ने शासन पर पेंशनधारियों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने ही स्वत्वों के भुगतान के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पहले सेवानिवृत्ति के बाद उपादान राशि सहित अन्य देयक जल्द जारी कर दिए जाते थे, लेकिन अब कई कार्यों के लिए भोपाल स्तर पर प्रक्रिया पूरी होने के कारण भुगतान में देरी हो रही है। शर्मा ने बताया कि

पेंशनधारियों को उपादान राशि मिलने में एक से दो माह तक का समय लग रहा है। वहीं कई पेंशनधारियों की पेंशन भी तीन से चार माह देरी से मिल रही है। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जीवनभर सेवा देने के बाद सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

प्रदेश मंत्री ने कहा कि 35 वर्ष की पूर्ण सेवा अथवा चौथी क्रमोन्नति के अनुमोदन के मामलों में भी भोपाल से अनुमति मिलने में दो से तीन माह लग रहे हैं। इसके कारण पेंशनधारियों को अपने लंबित मामलों के निराकरण के लिए लगातार इंतजार करना पड़ रहा है। शर्मा ने आरोप लगाया कि विभिन्न कार्यालयों में पेंशनधारियों के कार्य समय पर नहीं हो रहे हैं। कई मामलों में संबंधित अधिकारी या कर्मचारी से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने के बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ती है। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने शासन से मांग की कि पेंशनधारियों से संबंधित कार्यों के लिए सरल और समयबद्ध व्यवस्था लागू की जाए। लंबित पेंशन, उपादान राशि और अन्य स्वत्वों का शीघ्र भुगतान कराया जाए तथा 35 वर्ष की सेवा और क्रमोन्नति से जुड़े अनुमोदन की प्रक्रिया भी तेज की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की त्वरित कार्रवाई से पेंशनधारियों की परेशानी दूर होने के साथ कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष भी समाप्त होगा।

एसडीएम पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन

शिवपुरी जीएनएस

शहर के वायपास मार्ग स्थित एस.डी.एम. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित भारत की संकल्पना 2047 एवं माननीय प्रधानमंत्री द्वारा विगत 25 वर्षों में किए गए सेवाकार्य विषय पर विद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता एवं देश के विकास के प्रति अपनी सोच को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम-किसान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, पीएम सूर्य घर योजना एवं आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सहित विभिन्न विषयों को अपनी कलाकृतियों में प्रभावी ढंग से दर्शाया। प्रतियोगिता में वंश सोनी ने प्रथम स्थान, देवकी यादव ने द्वितीय स्थान तथा निशा चिड़ार ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यार्थियों की कलाकृतियों में उनकी रचनात्मकता और विषय के प्रति समझ स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

विजयादशमी चल समारोह को लेकर क्षत्रिय समाज की बैठक संपन्न

शिवपुरी जीएनएस

समस्त क्षत्रिय समाज जिला शिवपुरी की ओर से विजयादशमी के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले विजयादशमी चल समारोह को लेकर स्थानीय त्रिवेणी वाटिका, शिवपुरी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिवपुरी जिले के साथ-साथ पोहरी एवं नरवर से आए क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की और आगामी कार्यक्रम को लेकर सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में तय किया गया कि विजयादशमी का भव्य चल समारोह चिंताहरण मंदिर से प्रारंभ होकर अग्रसेन चौक होते हुए ठाकुर बाबा मंदिर पर पहुंचकर संपन्न होगा। समारोह के समापन स्थल पर शस्त्र पूजन, विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। चल समारोह को व्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ संरक्षक चतुर सिंह सेंगर को बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से सौंपी गई। बैठक में उपस्थित पोहरी एवं नरवर से आए सभी समाजबंधुओं ने प्रस्तावों पर अपनी पूर्ण सहमति एवं समर्थन प्रदान किया। साथ ही श्री राजपूत करणी सेना द्वारा भी विजयादशमी चल समारोह एवं समाज द्वारा लिए गए निर्णयों को अपना समर्थन प्रदान किया गया। बैठक में समाज की एकता, संगठन, संस्कृति, परंपरा एवं मर्यादा को बनाए रखते हुए विजयादशमी समारोह को भव्य, अनुशासित एवं गौरवपूर्ण रूप से आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया। समस्त क्षत्रिय समाज जिला शिवपुरी ने समाज के सभी बंधुओं से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर विजयादशमी के इस पावन आयोजन को सफल बनाएं।

कहानी, कविता, गीत, चित्र और रोचक गतिविधियों से बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, सर्वांगीण विकास पर रहा जोर

ईसीसीई बाल मेला, खेल-खेल में नौनिहालों ने सीखा ज्ञान का पाठ

शिवपुरी जीएनएस

शिवपुरी एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदर्श नगर, पुरानी शिवपुरी में ईसीसीई के अंतर्गत बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले में बच्चों ने विभिन्न खेलों, रचनात्मक गतिविधियों, कहानी, कविता, गीत, चित्र एवं अन्य रोचक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था के बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर उपलब्ध कराना तथा उनके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक एवं भाषाई विकास को मजबूत करना रहा। बाल मेले में बच्चों के लिए ऐसी गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को सहज, सरल और आनंददायक बनाया गया। विद्यालय में आयोजित यह बाल मेला इसी उद्देश्य की दिशा में एक सार्थक पहल रहा, जिसमें शिक्षा को गतिविधियों और मनोरंजन से जोड़ते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से

बच्चो के अविभावक सहित डाइट शिवपुरी के प्रचार्य एम. यू शरीफ एवं सीएसी सतीश वर्मा उपस्थित रहे।

गतिविधियों के माध्यम से सीखने पर जोर : ईसीसीआई के तहत बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उनकी उम्र और रुचि के अनुसार गतिविधि आधारित शिक्षा देने पर जोर दिया जाता है। बाल मेले में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में भाषा एवं संख्यात्मक कौशल, रचनात्मकता, जिज्ञासा, आत्मविश्वास तथा समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने का प्रयास किया गया।

बाल मेले में बच्चों में दिखा उत्साह : बाल मेले में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खेल, चित्र, गीत, कविता और अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान सीखने के साथ-साथ बच्चों के लिए मनोरंजन और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर भी मिला। ईसीसीआई का उद्देश्य प्रारंभिक वर्षों में बच्चों पर पढ़ाई का अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें आनंदपूर्ण एवं सहज वातावरण में सीखने के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रारंभिक अवस्था में विकसित होने वाली भाषा, जिज्ञासा, रचनात्मकता और सामाजिक व्यवहार जैसी क्षमताएं बच्चों की आगे की शिक्षा के लिए मजबूत आधार तैयार करती हैं।

ग्वालियर देहात/21 सितंबर 2026 को दर्ज हुए मामलों की पुलिस कार्रवाई..

315 बोर देशी कट्टा व कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

डबरा शहर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर विधि नगर कॉलोनी, पिछोर रोड से हाकिम सिंह कुशवाहा (50) को पकड़ा। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 315 बोर की देशी अधिया और एक जिंदा कारतूस बरामद कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

?डबरा = टमटम टकराने के विवाद में मारपीट व धमकी, केस दर्ज

लक्ष्मणपुरा निवासी कमलेश जाटव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि राकेश छ्वाई के घर के सामने सुवर सिंह ने टमटम से टक्कर मार दी। विरोध करने पर सुवर सिंह, मोनू जाटव व एक अन्य ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बीएनएस के तहत केस दर्ज किया।

?डबरा = 15 वर्षीय किशोरी से छेड़छाड़, आरोपी आफताब पर पॉक्सो एक्ट

डबरा शहर के बुर्ज रोड निवासी 15 वर्षीय किशोरी ने शिकायत दर्ज कराई कि नगरपालिका के सामने पंचर दुकान पर आफताब खान ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ा व छेड़छाड़ की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

?पिछोर = विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, अपहरण का केस

कल्याणपुर वार्ड क्र. 1 निवासी इशहाक खान (42) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी 39 वर्षीय पत्नी मुबीना बेगम को कोई अज्ञात व्यक्ति गुप्त रूप से बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है। पुलिस ने धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण कायम किया।

?पिछोर = मोबाइल पर अचानक आए ओटीपी, खाते से 1.55 लाख रुपये पार

पिछोर वार्ड-14 निवासी कृष्ण कुशवाहा (23) ऑनलाइन ठगी के शिकार हो गए। उनके मोबाइल पर अचानक ओटीपी आए और यूनियन बैंक खाते से बिना अनुमति यूपीआई के जरिए 1,55,146 रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने बीएनएस व आईटी एक्ट में अपराध दर्ज किया।

?भितरवार = महिला के साथ मारपीट कर दी जातिसूचक गालियां, 4 पर केस

गोहंदा निवासी मुन्नीबाई जाटव (50) के साथ रूंड़ नहर के पास लाली, रविन्द्र, पप्पू व जीतू सोलंकी ने गाली-गलौज कर लाठी-डंडों से मारपीट की और जातिसूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने एससी/एसटी व बीएनएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

?भितरवार = स्कूल के पास 16 वर्षीय छात्रा से रास्ता रोककर छेड़छाड़

ग्राम बाजना निवासी 16 वर्षीय किशोरी जब एसआईटीएम स्कूल के सामने थी, तब आरोपी युवराज रावत ने रास्ता रोककर उसके साथ छेड़छाड़ व मारपीट की। भितरवार पुलिस ने बीएनएस व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

?बेलगढ़ा = ग्राम मस्तूरा में युवक से मारपीट व जान से मारने की धमकी

ग्राम मस्तूरा निवासी पवन कोर (22) के साथ इंदू कौर, मन्नू कौर और सतपाल सिंह ने पुरानी बात पर विवाद कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया।

?करहिया = मंदिर के पास गाली-गलौज कर की मारपीट, 3 पर एफआईआर

करहिया निवासी जसवंत शाक्य (46) हरदौल बाबा मंदिर के पास थे, तभी विनीत जाटव, लाला जाटव व कश्मीर सिंह ने उन्हें घेरकर गाली-गलौज की और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज किया।

?बेहट = ग्राम इकोना में महिला से मारपीट, मामला विवेचना में

ग्राम इकोना निवासी नीलम यादव (27) के साथ गांव की ही मौसम यादव ने गाली-गलौज कर मारपीट कर दी। बेहट पुलिस ने फरियादिया की रिपोर्ट पर आरोपी महिला के विरुद्ध बीएनएस में अपराध दर्ज किया।

इंस्पेक्टर की हत्या के कुछ घंटे बाद ही चिरूला आरटीओ चेकपोस्ट का वीडियो वायरल

दतिया, जीएनएस।

दतिया में पदस्थ आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले की हत्या की घटना के कुछ ही घंटे बाद चिरूला स्थित आरटीओ चेकपोस्ट का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में चेकपोस्ट पर कथित तौर पर वाहन चालकों से पैसे लिए जाने का दृश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है।

वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। दावा किया जा रहा है कि इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले की हत्या की घटना के बाद भी चेकपोस्ट पर कथित अवैध वसूली का सिलसिला जारी रहा। वीडियो में कर्मचारी द्वारा कथित रूप से पैसे लेते हुए दिखाई देने की बात कही जा रही है। वायरल वीडियो में 23 सितंबर 2026 की तारीख का भी उल्लेख होने की बात सामने आ रही है। । एक ओर आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले की हत्या की घटना ने विभाग और क्षेत्र में गंभीर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर इसी बीच सामने आया यह कथित वीडियो चेकपोस्ट की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है। यदि वीडियो में लगाए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं तो यह गंभीर प्रशासनिक मामला हो सकता है। अब सवाल यह है कि चिरूला आरटीओ चेकपोस्ट पर कर्मचारियों की निगरानी कौन कर रहा है? क्या चेकपोस्ट पर होने वाली कथित वसूली की नियमित जांच होती है? और वायरल वीडियो सामने आने के बाद परिवहन विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है?

वन संरक्षण से लेकर मैदानी निगरानी तक सक्रिय भूमिका, करैरा रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा की कार्यशैली चर्चा में

करैरा, जीएनएस।

वन क्षेत्र की सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की जिम्मेदारी वन विभाग के लिए महत्वपूर्ण दायित्व है। करैरा वन परिक्षेत्र में रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा के नेतृत्व में विभागीय कार्यों को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने के प्रयासों को लेकर सकारात्मक चर्चा है। वन संपदा की सुरक्षा, अवैध गतिविधियों पर निगरानी और विभागीय निर्देशों के पालन को लेकर मैदानी अमले के साथ समन्वय उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा दिखाई देता है।

वन विभाग की जिम्मेदारियां केवल कार्यालयीन कार्यों तक सीमित नहीं रहतीं। वन क्षेत्र में लगातार भ्रमण, संवेदनशील स्थानों की निगरानी और मौके की स्थिति से अवगत रहना आवश्यक होता है। रेंजर मीणा द्वारा मैदानी स्तर पर विभागीय गतिविधियों को प्राथमिकता दिए जाने से वन क्षेत्र की निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद रहती है।

वन क्षेत्र में अवैध कटाई, अतिक्रमण, अवैध परिवहन अथवा अन्य गतिविधियों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी आवश्यक है। विभागीय अमले के साथ समन्वय बनाकर ऐसी गतिविधियों पर नजर रखना वन अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। करैरा क्षेत्र में इस दिशा में विभागीय सक्रियता को सकारात्मक रूप से देखा जा रहा है।

वन केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें वन्यजीवों और जैव विविधता का भी महत्वपूर्ण स्थान है। वन क्षेत्र का संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसी दृष्टि से वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए विभागीय स्तर पर निगरानी को महत्वपूर्ण माना जाता है।

अधीनस्थ अमले के साथ समन्वय

किसी भी वन परिक्षेत्र की कार्यप्रणाली में वनरक्षक, बीटगार्ड और अन्य मैदानी कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अधिकारियों द्वारा इन कर्मचारियों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखना प्रभावी वन प्रबंधन के लिए जरूरी है। रेंजर मीणा की कार्यशैली में टीम के साथ समन्वय को भी महत्वपूर्ण स्थान दिए जाने की चर्चा है।

शासकीय संपदा की सुरक्षा

वन भूमि और वन संपदा सरकारी संपत्ति होने के साथ-साथ समाज की प्राकृतिक धरोहर भी है। इसकी सुरक्षा में किसी भी स्तर की लापरवाही पर्यावरण और प्रशासन दोनों के लिए चुनौती बन सकती है। ऐसे में वन क्षेत्र की नियमित निगरानी और उपलब्ध संसाधनों का संरक्षण विभागीय प्राथमिकताओं में शामिल रहता है।

नियमों के पालन पर जोर

वन विभाग की कार्रवाई निर्धारित कानूनों और विभागीय नियमों के अनुरूप होती है। किसी भी मामले में दस्तावेजी प्रक्रिया, स्थल निरीक्षण और सक्षम स्तर पर कार्रवाई महत्वपूर्ण होती है। नियमों के अनुरूप कार्य करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता देना विभागीय व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में सहायक होता है।

डॉ. आलोक बंसल, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, इंडिया फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली ने सिंधिया कन्या विद्यालय का दौरा किया

ग्वालियर, जीएनएस।

सिंधिया कन्या विद्यालय (स्यङ्क) ने आज . डॉ. आलोक बंसल, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, इंडिया फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली का स्वागत किया ।

. इस मुलाकात ने उच्च-स्तरीय सैन्य और रणनीतिक जानकारी को स्यङ्क के आधुनिक तकनीकी इनोवेशनल एंटरप्रेन्योरशिप (सामाजिक उद्यमिता) के मुख्य स्तंभों से जोड़ा। आलोक बंसल, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, इंडिया फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली नौसेना के पूर्व अधिकारी, उन्होंने भारतीय नौसेना में 32 साल तक सेवा की और दो युद्धपोतों की कमान संभाली। इंटरनेशनल अफ़ेयर्स में क्द्बष्ठ करने वाले डॉ. बंसल जामिया मिलिया इस्लामिया में विज़िटिंग प्रोफ़ेसर भी रहे हैं।

उनके आगमन पर, प्रधानाचार्या श्रीमती निशि मिश्रा और स्कूल समुदाय के सदस्यों द्वारा उनका गर्मजोशी

से स्वागत किया गया।

सम्मान और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में, उन्हें स्वागत-पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, । इस मौके पर सुश्री भारती सूद भी मौजूद रहीं। तत्पश्चात आए हुए अतिथियों के द्वारा विद्यालय का भ्रमण किया गया। दौरे के क्रम में माधव भवन (एकेडमिक ब्लॉक) का दौरा किया गया, जहाँ डॉ. आलोक बंसल, ने स्कूल के रोबोटिक्स कार्यक्रम ;संकल्पना; से जुड़े छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने संकल्प; का भी दौरा किया, जो सिंधिया कन्या विद्यालय एक सामाजिक पहल है और ग्रामीण महिलाओं को सैनिटरी पैड के उत्पादन और वितरण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। डॉ. आलोक बंसल, ने छात्राओं के नवाचार, सामाजिक प्रतिबद्धता सामुदायिक विकास के प्रति जिम्मेदारी की भावना की सराहना की और युवा प्रतिभागियों के साथ सार्थक चर्चा की। इस बातचीत ने स्यङ्क की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जिसके तहत वह युवा महिलाओं को भविष्य के लिए तैयार लीडर बनाने के लिए उन्हें शीर्ष राष्ट्रीय नीति विशेषज्ञों से रूबरू कराता है और साथ ही स्कूल के बेहतरीन शैक्षिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी प्रदर्शित करता है। सिंधिया कन्या विद्यालय इन विशिष्ट अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता है।

गायक कलाकारों द्वारा गीत और गज़लों का प्रस्तुतीकरण किया गया

÷मंच के सरताज म्यूजिकल ग्रुप के तत्वाधान में होटल शाह इंपीरियल में एक संगीतमयी शाम का आयोजन किया गया जिसमें गायक कलाकारों द्वारा गीत और गज़लों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

समूह के संचालक विलासराव जी ने बताया कि कार्यक्रम को सोनू छावड़ा द्वारा मंच के सरताज ग्रुप के साथ मिलकर किया गया जिसका प्रारंभ मशहूर शंखवादक विक्रम राणा जी के शंखवादन के साथ सरस्वती वंदना से हुआ। मंच संचालन कौशलेंद्र राजावत ने और कार्यक्रम को मूर्तरूप देने में सहयोग उपेंद्र अत्रे जी ने किया। विशेष अतिथि डॉ लाहा रहे। इसी तारतम्य में समूह के सदस्यों ने गीतों की प्रस्तुतियां दी

जिसमें डॉ. लाहा मनीष व्यास, नीलम व्यास, राहुल प्रिंस, डॉ. कश्यप आनंद, विजय अमरापुरी, लता छावडा, आनंद सिकरवार धर्मवीर माहौर, गोपेन्द्र श्रीवास्तव, मंजू बुआ, मनोज वर्मा, आशीष सक्सेना, भालेराव रोशन रोहित, शशिकला, मदन साहू, राजीव दीक्षित, अर्चना दीक्षित, संतोष नेगी, रॉकी, माधुरी, विक्रम राणा, उपेंद्र अत्रे, कौशलेंद्र, विलासराव ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के अंत में सोनू छावड़ा ?द्वारा शील्ड और श्रीफल देकर सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।

आदिवासी हितग्राही को मिला पीएम जनमन योजना का लाभ

श्योपुर। पीएम जनमन योजना के माध्यम से हजारो लोगों को पक्के मकान की सुविधा उपलब्ध हुई है। इस योजना से आम लोगों के पक्के मकान में रहने का सपना साकार हो रहा है। श्योपुर विकासखण्ड के ग्राम बगदिया निवासी श्रीमती श्यामा आदिवासी पत्नि श्री मुन्ना आदिवासी का परिवार पीएम जनमन आवास योजना में आवास मिलने से पूर्व तक कच्ची झोपडी में अपने परिवार के साथ निवास कर रहे थे, जिससे परिवार को बहुत परेशानी का सामना करना पड रहा था। दो वर्ष पूर्व श्रीमती श्यामा आदिवासी को पीएम जनमन आवास योजना का लाभ मिला और उन्होंने अपने परिवार के लिए झोपडी के स्थान पर एक पक्का स्वच्छ आवास का निर्माण कराया। जिसमें वे पिछले दो साल से निवासरत है। इसके लिये वे माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी को दिल से धन्यवाद देती है।

ताइवान की तकनीक से भारत के युवाओं को मिल सकते हैं विकास के नए अवसर

भारत-ताइवान के आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों पर हुआ मंथन

ग्वालियर, जीएनएस। जीवाजी विश्वविद्यालय एवं सिंधिया शोध केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के टंडन सभागार में भारत ताइवान- आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंध, एशिया के विशेष संदर्भ में विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में ताइपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. मूमिन चेन, इंडिया फाउंडेशन दिल्ली के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. आलोक बंसल, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक एवं प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. शांतिदेव सिसोदिया, अरुणांश गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डॉ. मूमिन चेन ने कहा कि कठिन भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद भारत और ताइवान के संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। ताइवान के गठन से लेकर वर्तमान समय तक भारत-ताइवान संबंधों के कई आयाम विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और ताइवान भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखता है। दोनों देश शिक्षा, संस्कृति और उद्योग सहित कई क्षेत्रों में मिलकर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत में चीनी भाषा के अध्यापन से जुड़े करीब 40 शिक्षक ताइवान के हैं और सैकड़ों भारतीय विद्यार्थी प्रतिवर्ष ताइवान में इंटर्नशिप के लिए जाते हैं। डॉ. चेन ने बताया कि वे ताइवान के एक विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं और उनके मार्गदर्शन में चार भारतीय विद्यार्थी पीएचडी कर रहे हैं। उन्होंने ताइवान को मोबाइल चिप निर्माण का बड़ा केंद्र बताते हुए भारत के साथ तकनीकी एवं औद्योगिक सहयोग की संभावनाएं भी बताईं। डॉ. आलोक बंसल ने कहा कि भारत और ताइवान के संबंध केवल आधुनिक दौर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे प्राचीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी लंबी परंपरा है। प्राचीन काल में चीनी तीर्थ यात्रियों के भारत भ्रमण के कारण भारत के अतीत पर शोध करने वाले शोधार्थियों को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सामग्री प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि ताइवान आज तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है और भारत का युवा वर्ग ताइवान की तकनीकी विशेषज्ञता से लाभ उठाकर आर्थिक विकास के नए अवसर तलाश सकता है। प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने हिंदी में संबोधित करते हुए भारत में चल रहे हिंदी पखवाड़े की जानकारी दी और भाषायी विरासत के आदान-प्रदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में जीवाजी विश्वविद्यालय ताइवान के शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर दोनों देशों के विद्यार्थियों के लिए नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू कर सकता है। इससे विद्यार्थियों को दोनों देशों की भाषा, संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था को समझने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांतिदेव सिसोदिया ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन मुकुल शर्मा एवं ऐश्वर्या भार्गव ने किया। अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

व्यापारी की दुकान में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, पुलिस टीम का सम्मान

फिरोजाबाद, जीएनएस। बजरिया क्षेत्र में किराना व्यापारी की दुकान में हुई चोरी का थाना दक्षिण पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से खुश भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर के पदाधिकारियों ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों का सम्मान किया। शाम को गल्ला मंडी परिसर में पुलिस टीम का नागरिक अभिनंदन किया गया।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी आदित्य लांघे से मुलाकात की। इस दौरान व्यापारियों ने उन्हें माला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा करने पर पुलिस प्रशासन के प्रति आभार जताया। इसके बाद शाम को गल्ला मंडी परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद, सीओ सिटी, थाना दक्षिण प्रभारी और उनकी पुलिस टीम, थाना उत्तर प्रभारी तथा थाना रसूलपुर प्रभारी का स्वागत किया गया। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को फूल-माला, दुपट्टा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। व्यापारियों ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर चोरी का खुलासा कर शत-प्रतिशत माल बरामद किया।

इससे व्यापारी वर्ग में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष रामनरेश कटारा ने की। इस दौरान महामंत्री राम यादव, सोरिश गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, गौरव गुप्ता, पंकज गुप्ता, नितेश अग्रवाल, यतींद्र गुप्ता आदि।

नाली में गोबर बहाने वालों से वसूला 6250 रूपये का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस। शहर में सीवर लाइनों के बार-बार जाम होने और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित होने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने कड़ा रुख अपनाया है। पशु डेयरी संचालकों द्वारा नालियों में गोबर बहाने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले विभिन्न डेयरी संचालकों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाते हुए 6,250 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के विभिन्न रिहायशी एवं व्यावसायिक इलाकों में पशुपालकों द्वारा बड़े पैमाने पर गाय एवं भैंसों का पालन किया जा रहा है। इन डेयरियों से निकलने वाले गोबर का उचित निस्तारण करने के बजाय कई डेयरी संचालक इसे सीधे शहर की नालियों और सीवर लाइनों में बहा रहे हैं। नालियों में गोबर बहाए जाने के कारण सीवर लाइनों में रुकावट पैदा हो रही है। इससे न केवल आम जनता को परेशानी का सामना करना पड रहा है। सीवर समस्या एवं गोबर से होने वाली गंदगी को लेकर नागरिकों की ओर से कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई थीं।

गोबर संग्रहण के लिए नगर निगम चला रहा है वाहन

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा डेयरी व्यवसायियों की सुविधा और शहर को साफ-सुथरा रखने के उद्देश्य से गोबर के सही निस्तारण का पुख्ता प्रबंध किया गया है। शहर में संचालित होने वाली डेयरियों से निकलने वाले वेस्ट और गोबर को एकत्रित करने के लिए नगर निगम द्वारा विशेष गोबर संग्रहण वाहन चलाए जा रहे हैं। नगर निगम की ओर से समय-समय पर सभी डेयरी संचालकों को चेतावनी और निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि वे अपने पशुओं का गोबर नालियों में न बहाएं, बल्कि उसे नगर निगम के गोबर संग्रहण वाहनों में ही जमा कराएं। प्रशासन की ओर से बार-बार समझाया और सूचना दिए जाने के बावजूद कई डेयरी संचालक लगातार इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

12 अक्तूबर को निकलेगी राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की शोभायात्रा, तैयारियों पर हुआ मंथन

फिरोजाबाद, जीएनएस। जिला राठौर सभा की ओर से मंगलवार को जलेसर रोड स्थित महकती रसोई में बैठक और प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। साथ ही 12 अक्तूबर को निकलने वाली राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की शोभायात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में नौ अगस्त को हुए संगठनात्मक चुनाव में निर्वाचित जिलाध्यक्ष रश्मि कान्त राठौर और कोषाध्यक्ष एवं कार्यवाहक महामंत्री सुनील राठौर (बदनपुर वाले) को शपथ दिलाई गई। इसके अलावा महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देकर शपथ ग्रहण कराई गई।

महिला प्रकोष्ठ में किरण राठौर को जिलाध्यक्ष और गीता राठौर (रामनगर) को महानगर अध्यक्ष बनाया गया। वहीं, युवा प्रकोष्ठ में एडवोकेट राजेंद्र सिंह राठौर को जिलाध्यक्ष और गौरव राठौर को महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में 12 अक्तूबर को निकलने वाली राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की शोभायात्रा की रूपरेखा, मार्ग व्यवस्था और झांकियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। वार्ता के दौरान संतोष राठौर बाबा ने कहा वर्तमान विधायक से पीड़ित है महापौर जो हर एक काम में अड़ंगा लगाते हैं उन्होंने कहा आगामी विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी ने प्रत्याशी नहीं बनाया तो राठौर महासभा अपना प्रत्याशी उतारेगी दौरान राजन लाल राठौर (फौजी), राम सेवक राठौर (फौजी), संतोष राठौर (बाबा), सिंटू राठौर, रजत राठौर आदि।

गहोई वैश्य समाज ग्रेटर ग्वालियर चुनाव में प्रदीप पहारिया अध्यक्ष पद पर एवं सुधीर रावत महामंत्री पद पर विजय हुए

ग्वालियर, जीएनएस। श्री गहोई वैश्य समाज ग्रेटर ग्वालियर के चुनाव संपन्न हुए 15 पंचायत के कुल 4154 मतदाताओं में से 2361 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया अध्यक्ष पद पर श्री प्रदीप पहारिया (गुप्ता) को 1181 मत, घनश्याम कंथरिया को 471 मत, दिलीप तपा को 364 मत, जगदीश गेड़ा 269 मत प्राप्त हुए।

अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल छिरौल्या (डब्लू भैया) के के प्रत्याशी घनश्याम कंथारिया को 710 वोटो शिकस्त देते हुए प्रदीप पहारिया द्वारा अध्यक्ष पद पर एतिहासिक विजय प्राप्त की। महामंत्री पद पर सुधीर रावत को 1052 मत प्राप्त हुए, राजेश सेठ को 660 मत प्राप्त हुए इस प्रकार राजेश सेठ को 392 में से पराजित हुए, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजीव कुचिया को 1009 इंजीनियर शिवकुमार चपरा को 796 मत प्राप्त हुए, उपाध्यक्ष पद पर अनिल मिश्रा को 880 मत तथा कमलेश डेंगरे को 829 मत प्राप्त हुए, मंत्री पद पर मनीष लहरिया को 1208 मत धर्मेंद्र बिलैया को 1029 मत प्राप्त हुए, उपमंत्री पद पर नवीन निगोतिया को 1129 विकास नैना को 1064 मत प्राप्त हुए, संगठन मंत्री पद पर शिवम बिजपुरिया को 1049 जगदीश विजपुरिया को 727 मत प्राप्त हुए, कोषाध्यक्ष पद पर अखिलेश कस्तवार को 1004 मत अजय सेठ को 609 मत प्राप्त हुए, प्रचार मंत्री पद पर अखिल चपरा 1273 पवन बिलैया को 483 मत प्राप्त हुए निर्वाचन आयुक्त राजीव बेहरे जी की टीम द्वारा सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराए गए विजय प्रत्याशियों को सुरेश कस्तवार दादा, अशोक कस्तवार, सुधीर गुप्ता वाइस चेयरमैन ग्वालियर विकास प्राधिकरण, मोनू गुप्ता संजीव नौगरईया राजश्री, राजू डेनिसन, पुष्पेंद्र गुप्ता, द्वारका कुचिया , राम प्रकाश रेजा, रमेश गांधी, ओमप्रकाश सेठ, मोनु रितेश गुप्ता ,पंकज कंदेले, दिनेश गेड़ा, संजय कटठल, विवेक कस्तवार, राकेश लहारिया, विपुल गुप्ता, सतीश महतेले राजीव गुप्ता आदि।

सफलता की कहानीः खेतों की मिट्टी से उद्यमिता की उड़ान रविकांत यादव ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई इबारत

ग्वालियर, जीएनएस। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के कारण जिस किशोरवय युवक को दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी, आज वही युवा 15 से अधिक परिवारों की रोजी-रोटी का सहारा बन चुका है। इस युवा की दृढ़ इच्छाशक्ति व सरकारी संबल ने आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक इबारत गढ़ दी है।

यह सच्ची कहानी है ग्वालियर जिले की जनपद पंचायत मुरार के ग्राम सौंसा निवासी रविकांत यादव की । उन्होंने यह साबित करके दिखाया है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करें तो परिस्थितियाँ बदलते देर नहीं लगती। खेती से जुड़े साधारण परिवार में जन्मे रविकांत के सामने जब आर्थिक चुनौतियाँ आईं, तो उन्होंने हार मानने के बजाय अपने लिए खुद का रोजगार खड़ा करने की ठानी। इसी संकल्प ने उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) तक पहुँचाया। एक ऐसी योजना, जो युवाओं को अपने सपनों को उद्यम में बदलने का अवसर देती है।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, ग्वालियर के अधिकारियों के मार्गदर्शन में रविकांत ने सरसों तेल मिल स्थापित करने की योजना बनाई। पीएमईजीपी के तहत उन्हें 25 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जिसमें करीब पौने 9 लाख रुपये का अनुदान शामिल था। इस सहायता से उन्होंने अपने गाँव सौंसा में ही तेल मिल की नींव रखी और मेहनत व लगन से इसे आगे बढ़ाया। आज नतीजा सबके सामने है। रविकांत की इकाई में 15 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और कई अन्य को अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। उनकी मिल का मासिक कारोबार 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुँच चुका है। यह सफलता केवल आँकड़ों की नहीं, बल्कि एक युवा के आत्मविश्वास और सतत परिश्रम की कहानी है। ÷सेवा-संकल्प अभियान÷ एवं ÷मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान÷ के तहत ग्राम सुपावली में आयोजित हुए जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर में रविकांत ने जब अपनी आत्मनिर्भरता का सफर साझा किया तो कार्यक्रम में मौजूद अन्य युवाओं पर इसका गहरा असर पड़ा। युवा बोले कि अब हम भी नौकरी के पीछे पड़ने के बजाय सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमी बनेंगे। रविकांत यादव कहते हैं, ÷प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई पीएमईजीपी योजना ने हम जैसे युवाओं के लिए उद्यम शुरू करने का रास्ता आसान बना दिया है। मुझे खुशी है कि मेरे उद्योग से दूसरों को भी रोजगार मिल रहा है।÷ वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि दोनों सरकारों की योजनाएँ सही मायने में ÷विकसित भारत÷ की संकल्पना को साकार कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इन्हीं योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास हो रहा है। निश्चित ही इससे रविकांत जैसे कई नए उद्यमी उभरकर सामने आयेंगे।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर बैराड़ में कृषि विभाग का औचक निरीक्षण: उर्वरक नियमों का उल्लंघन करने पर 3 दुकानें सील

शिवपुरी, जीएनएस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार उर्वरक वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा अनियमितताओं पर प्रभावी रोकथाम लगाने के उद्देश्य से कृषि विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। गतदिवस विकासखंड पोहरी अंतर्गत बैराड़ में उर्वरक वितरण प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया, जहां नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तीन प्रमुख दुकानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

निरीक्षण के दौरान कान्हा एग्रो एजेंसी बैराड़, कान्हा ट्रेडर्स बैराड़ एवं त्यागी बीज भंडार बैराड़ की दुकानों की गहन जांच की गई। जांच में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985, बीज अधिनियम तथा कीटनाशक अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। अनियमितताएं उजागर होने पर प्रशासन एवं कृषि विभाग के दल द्वारा तीनों दुकानों को मौके पर ही सील करने की कार्रवाई की गई।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशों के परिपालन में की गई इस न कार्रवाई के दौरान उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एम.के.दनेलिया सहित विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगे भी जारी रहेगा सघन जांच अभियान

कृषि विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा खाद की कालाबाजारी व अनियमितताओं को रोकने के लिए आगे भी सघन निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के 6 मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु 2.20 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

शिवपुरी, जीएनएस। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के 6 जरूरतमंद मरीजों को विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु कुल 2 लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के आदेशानुसार संबंधितों को भुगतान किया गया है। इसके तहत तहसील पिछोर के ग्राम छिरवाहा निवासी श्री समरत लोधी पिता श्री रघुवर लोधी को इलाज हेतु 25 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। तहसील करैरा के ग्राम थंरा निवासी श्रीमती अन्नपूर्णा मौर्य पति श्री रविकुमार मौर्य को कैंसर उपचार हेतु 30 हजार रुपये की राशि स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम बुढ़ाखेड़ा निवासी सुश्री बबीता यादव पिता श्री राजकुमार यादव को गंभीर एप्लास्टिक एनीमिया के उपचार हेतु 60 हजार रुपये की राशि दी गई है। तहसील नरवर के ग्राम कांकर निवासी अभि कुशवाह पिता श्री सुरेश कुमार को सर्जरी हेतु 25 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ग्राम भेसोरा जिला शिवपुरी निवासी बालक नैतिक धाकड़ पिता श्री सुनील धाकड़ के इलाज हेतु 50 हजार रुपये सहायता राशि प्रदान की गई है। तहसील खनियाधाना के ग्राम पातीचक्क निवासी श्री परमाल सिंह लोधी पिता श्री मोहनलाल लोधी को इलाज हेतु 30 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

सेवा-संकल्प अभियान

‘सेवा सेतु शिविर’ लगाकर दिलाया जायेगा ‘पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना’ का लाभ

ग्वालियर, जीएनएस। जिले के निवासियों को ÷पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना÷ से लाभान्वित कराने के लिये ÷सेवा सेतु शिविर÷ लगने जा रहे हैं। ÷सेवा-संकल्प अभियान÷ के तहत यह शिविर जिले के सभी विकासखंडों में आयोजित होंगे।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक संचालन ङ्क संधारण वृत्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भितरवार विद्युत केन्द्र में 25 सितम्बर को सेवा सेतु शिविर लगाया जायेगा। इसी तरह डबरा शहर के विद्युत केन्द्र में 28 सितम्बर, घाटीगांव विद्युत केन्द्र परिसर में 29 सितम्बर एवं मुरार विद्युत केन्द्र में 01 अक्टूबर को शिविर लगाए जायेंगे। शिविरों को सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से आयोजित कराने के लिये शिविरवार प्रबंधक व सहायक प्रबंधक स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

घरों की बिजली जरूरत होगी सौर ऊर्जा से पूरी

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर लगाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है। एक किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर लगभग 30 हजार रुपए, 2 किलोवाट पर 60 हजार रुपए तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर अधिकतम 78 हजार रुपए तक की सहायता का प्रावधान है। योजना का उद्देश्य घरों की बिजली जरूरत का बड़ा हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा कर बिजली बिल में कमी लाना है। सोलर संयंत्र से घर में उपयोग के बाद बची बिजली नियमानुसार ग्रिड में भेजी जा सकती है। नेट मीटरिंग के माध्यम से उसका समायोजन किया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए घरेलू बिजली उपभोक्ता पीएम सूर्य घर राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के बाद संबंधित विद्युत वितरण कंपनी की प्रक्रिया पूरी होने पर अधिकृत वेंडर के माध्यम से सोलर संयंत्र स्थापित किया जाता है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सब्सिडी का भुगतान किया जाता है।

(सेवा-संकल्प अभियान – सेवा की कहानी)

जिस राह पर कभी बरसात में थम जाता था सफर, आज उसी राह से गांव बढ़ रहा है विकास की ओर

मुरैना, जीएनएस। किसी गांव की तरक्की का रास्ता कई बार उसी सड़क से होकर गुजरता है, जिस पर रोज ग्रामीण अपने घर से निकलते हैं। बड़ागांव-नावली की यह सड़क भी ग्रामीणों के लिए केवल आवागमन का माध्यम नहीं रही। कभी बरसात में कीचड़ और पानी के कारण जिस रास्ते पर चलना मुश्किल होता था, आज वही सड़क बच्चों को स्कूल, किसानों को बाजार, मरीजों को अस्पताल और ग्रामीणों को रोजगार एवं जरूरी सेवाओं से जोड़ रही है।

सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में विकास कार्यों से आमजन के जीवन में आए ऐसे सकारात्मक बदलावों की कहानियां सामने लाई जा रही हैं। बड़ागांव-नावली मार्ग की कहानी भी इसी बदलाव को सामने रखती है–जहां एक विकास कार्य ने वर्षों से चली आ रही आवागमन की परेशानी को कम किया और ग्रामीणों के लिए अवसरों तक पहुंच आसान बनाई।

लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे और 7 मीटर चौड़े बड़ागांव-नावली मार्ग का निर्माण 206 लाख रुपये की लागत से किया गया है। बेहतर सड़क संपर्क मिलने से ग्रामीणों को मुख्य मार्ग, बाजार, तहसील, स्वास्थ्य केन्द्र, शिक्षण संस्थानों और आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचने में सुविधा मिली है।

बरसात में जो रास्ता रोकता था, अब वही मंजिल तक पहुंचाता है

ग्रामीण श्री रामहेत सिंह बताते हैं कि पहले बरसात के दिनों में रास्ते में कीचड़ और पानी भर जाने से गांव से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता था। छोटे वाहनों के साथ-साथ कई बार अन्य वाहनों के आवागमन में भी परेशानी होती थी। जरूरी काम होने पर भी रास्ते की स्थिति को ध्यान में रखना पड़ता था। अब पक्की सड़क बनने से दोपहिया और चारपहिया वाहन आसानी से गांव तक पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार सड़क ने सफर को आसान करने के साथ ग्रामीणों का समय भी बचाया है।

बच्चों की पढ़ाई और इलाज की राह हुई आसान

श्रीमती मीना सिंह बताती हैं कि सड़क बनने का असर घर-घर दिखाई दे रहा है। विद्यार्थियों के लिए स्कूल और कॉलेज तक पहुंचना आसान हुआ है। किसी परिवार में स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता होने पर मरीज को अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्र तक ले जाने में भी सुविधा मिल रही है। बाजार से जरूरी सामान लाने से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं के आने-जाने तक, रोजमर्रा के कई काम अब पहले की तुलना में सहज हो गए हैं।

उनका कहना है कि पहले गांव से बाहर निकलने में रास्ते की चिंता रहती थी, अब सड़क ने गांव को आसपास के क्षेत्रों से बेहतर तरीके से जोड़ दिया है।

खेत से बाजार तक आसान हुई किसानों की राह

किसान श्री प्रदीप बताते हैं कि सड़क का लाभ खेती-किसानी में भी दिखाई दे रहा है। खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री गांव तक लाने तथा खेतों से उपज को बाजार तक पहुंचाने में अब आसानी होती है। पहले खराब रास्ते के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहनों के आवागमन में परेशानी होती थी। अब बेहतर सड़क से कृषि उपज के परिवहन में सुविधा मिली है, जिससे किसानों के समय और मेहनत की बचत हो रही है।

बड़ागांव-नावली मार्ग ने गांव की कनेक्टिविटी बेहतर करने के साथ सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी गति दी है। बाजार और जरूरी सेवाओं तक आसान पहुंच ने ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतों को सरल बनाया है। आसपास के क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों तक आवागमन सुगम होने से क्षेत्र की संभावनाओं को भी विस्तार मिला है।

ग्रामीणों के लिए इस सड़क का महत्व केवल इतना नहीं है कि अब वाहन आसानी से चल पा रहे हैं। इसका महत्व इस बात में है कि अब समय पर स्कूल पहुंचना आसान है, जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुंचना आसान है, खेत की उपज बाजार तक ले जाना आसान है और रोजगार एवं अन्य अवसरों तक पहुंच बनाना आसान है।

सेवा से संकल्प, संकल्प से विकास की ओर बढ़ता गांव

बड़ागांव-नावली मार्ग की यह कहानी बताती है कि विकास का असर केवल किसी निर्माण कार्य में नहीं, बल्कि उससे बदलती लोगों की जिंदगी में दिखाई देता है। सड़क बनी तो सफर आसान हुआ, सफर आसान हुआ तो शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, व्यापार और रोजगार से जुड़ने के अवसर बढ़े। यही बदलाव विकास को लोगों के जीवन से जोड़ता है। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत ऐसी ही विकास की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि यह सामने आ सके कि सुविधाओं के विस्तार से किस तरह लोगों का जीवन आसान होता है।

थाना पिछोर पुलिस की फरार आरोपी के खिलाफ कार्यवाही

स्कूल बस चालक पर फायरिंग करने वाले प्रकरण में फरार एक और आरोपी को पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार आरोपियों को पकड़ने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर के द्वारा थाना प्रभारी पिछोर को थाना पिछोर के अप0क्र0-194/26, धारा 109(1),3(5) बीएनएस के प्रकरण में शेष फरार आरोपी राहुल यादव को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पिछोर उनि0 शिवम राजावत के द्वारा थाना बल की टीम व तकनीकी सेल को उक्त प्रकरण में फरार आरोपी राहुल यादव को पकड़ने हेतु लगाया गया। दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता से आधार पर आरोपी को ऊबटी थाना शिकोहाबाद उ0प्र0 से उसके रिश्तेदार के घर से पकड़ लिया गया। आरोपी से उक्त प्रकरण के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपराध कारित करना स्वीकार किया। जिस पर से आरोपी को थाना पिछोर के अपराध सदर में गिरफ्तार कर ग्वालियर लाया गया। पकड़े गये आरोपी की निशादेही पर ग्राम बधौली स्थित उसके घर से घटना में प्रयुक्त 32 बोर की पिस्टल एवं 02 जिंदा राउंड को विधिवत जप्त किया गया। विवेचना में संकलित साक्ष्य के आधार पर घटना 32 बोर की पिस्टल से होना पाई गई थी। उक्त प्रकरण में पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

घटना का संक्षिप्त विवरण– आज दिनांक 12.09.26 को उपचारत् घायल फरियादी खेम सिंह यादव उम्र 36 साल निवासी ग्राम सलैया थाना पिछोर ने अस्पताल डबरा में रिपोर्ट लेख कराई कि वह ग्लोरियश स्कूल टेकनपुर की स्कूल बस चलाता है। आज दिनांक 12.09.2026 को प्रातः करीब 07:30 से 07:45 बजे के बीच वह ग्राम सलैया से स्कूल बस लेकर टेकनपुर जा रहा था। बस में हेल्पर गोगा बाई रजक सहित कुछ स्कूली बच्चे भी सवार थे। समूदन से पहले वेयर हाउस पुलिया के पास पहुंचने पर बीच सड़क पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार खड़ी मिली।

फरियादी ने बस में मौजूद हेल्पर को कार हटवाने के लिए भेजा। कार में बैठे लोगों ने हेल्पर से कहा कि कार में सीएनजी एवं पेट्रोल खत्म हो गया है, इसलिए बस चालक को धक्का लगाने के लिए भेज दो। इस पर फरियादी बस से उतरकर स्विफ्ट कार के पास पहुंचा। कार में चार अज्ञात व्यक्ति बैठे थे, जिनमें से ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति के हाथ में कट्टा था। उक्त व्यक्ति ने फरियादी को जान से मारने की नीयत से कट्टे से 2-3 फायर किए।

फरियादी जान बचाकर भागा, लेकिन फायरिंग के छर्रे उसके चेहरे पर लगे, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद चारों अज्ञात आरोपी स्विफ्ट कार से मौके से फरार हो गए। घायल फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पिछोर में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 194/26, धारा 109(1),3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जप्त हथियारः- घटना में प्रयुक्त 32 बोर की पिस्टल एवं 02 जिंदा राउंड किया जप्त।

गिरफ्तार आरोपी– राहुल यादव पुत्र बेताल यादव निवासी ग्राम बधौली थाना उटीला जिला ग्वालियर।

सराहनीय भूमिका– थाना प्रभारी पिछोर उनि0 शिवम राजावत, प्र.आर0 उम्मेद सिंह धाकड़, आर0 रमाशंकर गुर्जर, भानू रावत, राकेश रावत, महेन्द्र मिश्रा, सतेन्द्र यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

निगमायुक्त ने प्रति सप्ताह 2 करोड़ जलकर वसूली का दिया टारगेट

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम द्वारा पीएचई विभाग जलकर वसूली लक्ष्य के अनुसार नहीं किए जाने के चलते नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रति सप्ताह 2 करोड रूपये वसूली का टारगेट दिया है। इसमें एक करोड रूपये पिछ्ले बकाया के शामिल हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने पीएचई विभाग की जलकर वसूली की समीक्षा की। समीक्षा में पाया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की वसूली लक्ष्य 40 करोड रूपये था, लेकिन इसके विपरीत पीएचई विभाग ने केवल 12.83 करोड रूपये ही वसूल पाए। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 की समाप्ति होने में महज 6 माह का समय शेष है, जबकि अभी वसूली पिछड रही है, इसके चलते नगर निगम आयुक्त ने वसूली का साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित किया है। ग्वालियर विधानसभा, ग्वालियर पूर्व एवं दक्षिण विधानसभा से प्रति सप्ताह 60-60 लाख रूपये वसूली करनी है, जिसमें से 30 लाख इस वित्तीय वर्ष एवं 30 लाख रूपये पिछ्ले वित्तीय वर्ष के शामिल हैं। जबकि ग्रामीण विधानसभा में 20 लाख रूपये जिसमें से 10 लाख इस वित्तीय वर्ष एवं 10 लाख रूपये पिछ्ले वित्तीय वर्ष के शामिल हैं। इसके साथ ही प्रत्येक विधानसभा में साप्ताहिक 100-100 नवीन जल कनेक्शन किए जाने का लक्ष्य दिया हैं।

निगमायुक्त के निर्देशन में राजस्व वसूली अभियान में सख्ती

बकाया किराया राशि जमा करने का अंतिम अवसर, अन्यथा फूलबाग चौपाटी की दुकानों का आवंटन होगा निरस्त

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा निगम के राजस्व में वृद्धि एवं बकाया राशि की वसूली के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में फूलबाग चौपाटी स्थित नगर निगम स्वामित्व की दुकानों के ऐसे आवंटियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई प्रारंभ की गई है, जिन्होंने लंबे समय से मासिक लाइसेंस शुल्क या किराया जमा नहीं किया है। नोडल अधिकारी राजस्व श्री अनूप लिटोरिया ने बताया कि नगर निगम द्वारा फूलबाग चौपाटी संबंधित 10 दुकानदारों को पूर्व में दिनांक 04 जून 2025 एवं 14 अगस्त 2026 को अंतिम बकाया नोटिस जारी कर राशि जमा करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। इसके बावजूद 10 दुकानों के आवंटियों द्वारा लगभग 20.43 लाख की बकाया राशि जमा नहीं कराई गई है। इनमें से कुछ दुकानें लंबे समय से बंद पाई गईं, जिन्हें मौके पर सील करने की कार्रवाई भी की गई है। निगम प्रशासन द्वारा संबंधित आवंटियों को बकाया लाइसेंस शुल्क जमा करने के लिए पुनः अंतिम 7 दिवस का अवसर प्रदान किया गया है। निर्धारित अवधि में संपूर्ण बकाया राशि जमा नहीं करने पर संबंधित दुकान का आवंटन निरस्त किया जाकर नगर निगम द्वारा दुकानों का आधिपत्य वापस लिया जाएगा तथा उसके पुनः आवंटन की कार्रवाई की जाएगी।

निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम की बकाया राशि की वसूली में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी बकायादार निर्धारित समय-सीमा में निगम की देय राशि जमा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त के निर्देष पर राजस्व विभाग ने फूलबाग चौपाटी पर दुकान क्रमांक 09 , श्री रोबिन मांझी पुत्र श्री नारायण मांझी 2,80,894 रूपये, दुकान क्रमांक 10 श्रीमती गौना बाई पत्नी श्री रामचरण जाटव 1,77,102 रूपये, दुकान क्रमांक 11 श्री रवि पुत्र श्री सुभाष चन्द्र शुक्ल 1,63,408 रूपये, दुकान क्रमांक 32 श्री धीरज पुत्र श्री आनंद शिवहरे 1,83,408 रूपये, दुकान क्रमांक 33 श्री रामनिवास पुत्र श्री गोरखीलाल 3,21,892 रूपये, दुकान क्रमांक 45 श्री अनवर शेख पुत्र श्री अब्दुल 1,83,408 रूपये, दुकान क्रमांक 46 श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धर्मपाल 1,83,408 रूपये, दुकान क्रमांक 47 श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री प्यारेलाल तोमर 1,83,408 रूपये, दुकान क्रमांक 48 श्री राजेन्द्र पुत्र श्री रामराज 1,83,408 रूपये, दुकान क्रमांक 49 श्री जितेन्द्र पुत्र श्री मुन्नालाल 1,83,408 रूपये को सील किया गया है।

कैंसर पहाड़िया पर भाटिया मसाले, बरसात चाय एवं कनिष्का मेडिकल ने डाला कचरा निगम ने लगाया 13500 रूपये का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।
कैंसर पहाड़ी पर खाली रेपर एवं खोखे दुकानदारों द्वारा फेंकने की सूचना मिलने पर नगर निगम की एसटीएफ टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा, और खाली खोखे पर लिखे पते से दुकान संचालकों के यहां पर पहुंचकर 13500 रूपये का जुर्माना किया है। इसके साथ ही शहर में गंदगी करने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 13000 रूपये का जुर्माना किया है। नगर निगम ने आज टोटल 26500 रूपये का जुर्माना वसूला है।

नगर निगम के एसटीएफ दल को सूचना मिली थी कि कुछ कंपनी अपने खाली खोले एवं रेपर कैंसर पहाड़ी पर फेंक रही हैं। साथ ही दवाई विक्रेता मेडिकल वेस्ट भी कैंसर पहाडी पर काफी मात्रा में जमा है। इसके चलते कैंसर पहाडी पर काफी गंदगी हो रही है। नगर निगम ने एसटीएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो वहां पर भाटिया मसाले के खाली खोखे, बरसात चाय के खाली रेपर एवं कनिष्का मेडिकल एवं क्लीनिक के पर्चे व दवाईयां मिलीं। एसटीएफ की टीम ने भाटिया मसाले, बरसात चाय एवं कनिष्का मेडिकल से 13500 रूपये का जुर्माना वसूला है। साथ ही कैंसर पहाड़ी से गंदगी को साफ कराया जा रहा है। वहीं

शहर में गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम की टीम ने कार्रवाई की। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय सिंह ठाकुर के निर्देशन में वार्ड 8 भैंस डेयरी संचालकों से 2000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजय शाक्य, डब्लू एच ओ श्री गब्बर खरे, सहायक श्री संतोष करोसिया आदि उपस्थित रहे।

इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान के निर्देशन में जोन 20 वार्ड 51 में सिकंदर कम्पू काली माता मंदिर के पास रोड पर कचरे में आग लगने पर संबंधित व्यक्ति से 1000 का जुर्माना वसूला गया। साथ ही वार्ड 55 में 14 बटालियन सब्जी मंडी के पास खाली प्लॉट की सफाई कराई। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया, डब्ल्यूएचओ श्री हरी कंजोलिया, विजय कुमार, पुरुषोत्तम मोरे आदि उपस्थित रहे।

साथ ही वार्ड स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देषन में जॉन 14 वार्ड 60 में लिटिल एंजेल स्कूल से प्रतिदिन कचरा संग्रहण करने पर 2000 की रसीद काटी गई। कार्रवाई के दौरान डब्लयूएचओ श्री विक्रम गैंगोर आदि उपस्थित रहे।

इसके साथ ही भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने वालों पर जुर्माना कार्यवाही की गई। जिसमें वार्ड 45 आभा महाराज की गली में श्री मुकुट विहारी पर 1000 रूपये, वार्ड 66 सालूपुरा में श्रीमती हेमलता वर्मा पर 2000 रूपये, वार्ड 60 सनवेली रोड पर श्री कौशलेन्द्र राणा से 5000 रूपये का जुर्माना वसूला गया।

सहरिया/चंबल अंचल के अनुष्ठानों पर दो दिवसीय परिसंवाद का आयोजन

श्योपुर। सहरिया/चंबल अंचल के जनजातीय एवं लोक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक परंपराओं और उनके सामाजिक अभिप्रायों पर केंद्रित दो दिवसीय परिसंवाद का आयोजन 22 एवं 23 सितंबर, 2026 को शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय, श्योपुर के सहयोग से किया जा रहा है। परिसंवाद में सहरिया समाज की परंपराओं, अनुष्ठानों, लोकज्ञान, भाषा, प्रकृति और बदलते सामाजिक परिवेश के विभिन्न पक्षों पर विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों द्वारा विचार-विमर्श किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर श्री शिवलाल शाक्य ने कहा कि जनजातीय समुदाय की अनेक रीति-रिवाज और परंपराएँ आज भी पूरी निष्ठा के साथ निभाई जाती हैं। बदलते समय के साथ परिस्थितियाँ भी बदल रही हैं, इसलिए शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से समाज को नए अवसरों के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने जनजातीय समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देने की बात बताई।

डोल ग्यारस पर्व पर निकले देव विमान, आरती में शामिल हुई कलेक्टर

श्योपुर, जीएनएस।
डोल ग्यारस पर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों से देव विमान निकाले गये तथा बंजारा डैम पहुंचकर भगवान को जल विहार कराया गया। जलझूलनी एकादशी के अवसर पर डोल ग्यारस का पर्व परम्परागत एवं धार्मिक भावनाओं के अनुरूप भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने बंजारा डैम पहुंचकर देव विमानों की पूजा अर्चना की तथा आरती में शामिल हुई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्री गगन मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य, श्री शिवलाल शाक्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। श्योपुर में डोल ग्यारस का पर्व भव्य एवं विशाल स्तर पर मनाया जाता है, 50 के लगभग देव विमानों को चल समारोह के रूप में टोडी गणेश मंदिर से बंजारा डैम पर सीप नदी में जल विहार के लिए ले जाया जाता है। डोल ग्यारस पर्व के व्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किये गये थे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा डोल मेले के आयोजन को लेकर विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौपे गये थे तथा एक दिन पूर्व स्वयं ने भी अधिकारियों के साथ डोल ग्यारस पर्व के व्यवस्थित आयोजन को लेकर की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया था।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा सही नाम राजू शुक्ला (RAJU SHUKLA) है, यही नाम मेरे वोटर कार्ड, बैंक पासबुक आदि में दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम परषोत्तम (PARASHOTTAM) दर्ज हो गया है। राजू शुक्ला (RAJU SHUKLA) और परषोत्तम (PARASHOTTAM) दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम परषोत्तम (PARASHOTTAM) के स्थान पर राजू शुक्ला (RAJU SHUKLA) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

पुराना नाम
परषोत्तम
(PARSHOTTAM)

नया नाम : राजू शुक्ला (RAJU SHUKLA)
पुत्र श्री छोटेलाल
निवासी - सिकंदर कम्पू रोड, मस्जिद वाली गली
लश्कर, ग्वालियर

24 सितंबर से नामांकन, 11 अक्टूबर को मतदान; अध्यक्ष पद के लिए राजेश ऐरन और राजीव चड्ढा सहित कई नाम चर्चा में

अचलेश्वर न्यास चुनाव की सरगर्मियां तेज, महेश मुदगल ने न्यासी पद के लिए ठोकी ताल

ग्वालियर जीएनएस

श्री अचलेश्वर मंदिर न्यास के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 24 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही न्यासी और अध्यक्ष पद के दावेदारों की तस्वीर भी साफ होने लगेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 अक्टूबर को चुनाव प्रस्तावित है। वर्ष 2017 के बाद पहली बार न्यास में निर्वाचन होने जा रहा है।

समाजसेवी महेश मुदगल ने न्यासी पद के लिए चुनाव लड़ने की पुष्टि की है। उनके अलावा शिवहरे समाज से जुड़े एक अन्य व्यक्ति के भी न्यासी पद पर चुनाव लड़ने की चर्चा है, हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अध्यक्ष पद के लिए कई नाम चर्चा में : अध्यक्ष पद को लेकर भी शहर में कई नाम चर्चा में हैं। इनमें बिल्डर राजेश ऐरन और चाचा जनरल स्टोर के राजीव

चड्ढा के नाम प्रमुखता से सामने आ रहे हैं। हालांकि इन नामों की अंतिम स्थिति नामांकन दाखिल होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

न्यास के सदस्यों की संख्या तीन हजार से अधिक बताई जाती है। सदस्य शहर के विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े हैं। ऐसे में प्रत्याशियों के सामने बड़ी संख्या में सदस्यों तक पहुंच बनाने की चुनौती रहेगी।

नामांकन के बाद स्पष्ट होगी तस्वीर : 24 सितंबर से शुरू होने वाली नामांकन प्रक्रिया के बाद चुनावी तस्वीर साफ होगी। नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 सितंबर को मैदान में बचे प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

अचलेश्वर न्यास के चुनाव का शहर के सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में खास महत्व है। वर्ष 2017 में पिछली बार चुनाव हुए थे। इसके बाद न्यास से जुड़े विवादों के चलते रिसीवर की नियुक्ति की गई थी। लंबे अंतराल के बाद अब दोबारा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई है। इस बार पूर्व पदाधिकारियों के चुनाव लड़ने पर रोक भी रखी गई है। ऐसे में चुनाव में नए दावेदारों के सामने आने की संभावना है। अब सभी की नजरें 24 सितंबर से शुरू होने वाले नामांकन पर हैं। 11 अक्टूबर को होने वाला चुनाव न्यास की आगामी व्यवस्था और नेतृत्व की दिशा तय करेगा।

व्हीआईएसएम में राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का समापन

विद्यार्थियों ने निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को मिले प्रमाण-पत्र

ग्वालियर जीएनएस

व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज के अंतर्गत संचालित जय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च महाविद्यालय में 17 से 23 सितंबर तक 6वें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजन किया गया। बुधवार को इसका समापन समारोह हुआ। कार्यक्रम में जीवाजी विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र चौहान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों को दवाओं के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना था। वक्ताओं ने बताया कि दवाओं के उपयोग के दौरान होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की समय पर पहचान, दस्तावेजीकरण और रिपोर्टिंग मरीजों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

सप्ताहभर विद्यार्थियों के लिए निबंध, भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न शैक्षणिक और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। व्हीआईएसएम अस्पताल भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और मरीजों की देखभाल में दवाओं के सुरक्षित उपयोग से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं को समझा।

निबंध प्रतियोगिता में खुशी साहू और शिवानी जाटव ने प्रथम, सोनिया रावत ने द्वितीय तथा नैन्सी राठौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में वैष्णवी राजपूत प्रथम, कुलदीप रावत द्वितीय और देव साहू तृतीय रहे। सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आयोजन में जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

खल्लासीपुरा में महाआरती में उमड़ी हजारों की भीड़

ग्वालियर जीएनएस

वार्ड क्रमांक 33 स्थित खल्लासीपुरा के प्रतिमा स्थल पर बुधवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिकों ने भाग लिया। महाआरती के दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

आयोजन विवेकानंद प्रखंड के प्रभारी के मार्गदर्शन और विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख सूरज शाक्य के नेतृत्व में हुआ। खल्लासीपुरा प्रतिमा समिति का भी आयोजन में सहयोग रहा। महाआरती की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इस दौरान पुष्पवर्षा और दीपों की रोशनी से प्रतिमा स्थल जगमगा उठा। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री पप्पू राठौर, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख प्रताप सिकरवार, जिला मंत्री कृष्ण कुमार रावत और जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख सूरज शाक्य उपस्थित रहे। अंत में सूरज शाक्य ने खल्लासीपुरा प्रतिमा समिति, अतिथियों, महिलाओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मुरार और थाटीपुर के उत्कृष्ट विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम

बधिर दिवस पर दिव्यांगजनों के अधिकारों की दी जानकारी

ग्वालियर जीएनएस

विश्व बधिर दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सीआरसी भोपाल, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार तथा रमन शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में उत्कृष्ट विद्यालय मुरार और थाटीपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम डॉ. नरेंद्र कुमार, निदेशक सीआरसी भोपाल के मार्गदर्शन में हुए। विद्यार्थियों और दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को दिव्यांगजनों के अधिकार, पुनर्वास सेवाओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

उत्कृष्ट विद्यालय मुरार में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के पूर्व संयुक्त संचालक आरपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रबुद्ध गर्ग ने की। सीआरसी भोपाल की व्यावसायिक चिकित्सा व्याख्याता डॉ. पूनम सचदेवा, जन जागरूकता समन्वयक श्याम सिंह मेवाड़ा और पुनर्वास अधिकारी कुतुबुद्दीन नियाजी मुख्य वक्ता रहे। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पूर्वी अग्रवाल, डॉ. दीप्ति गौड़ और रमन शिक्षा समिति अध्यक्ष हरिओम गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। श्याम सिंह मेवाड़ा ने कार्यक्रम के उद्देश्य बताते हुए दिव्यांगजनों के प्रति समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 200 से अधिक नागरिकों का परीक्षण

ग्वालियर जीएनएस। स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान के तहत क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 मोतीमहल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 200 से अधिक नागरिकों की शुगर, रक्तचाप, नेत्र सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई और चिकित्सकों ने आवश्यक परामर्श दिया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में आयोजित शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रुपाली वर्मा ने 112 मरीजों की नेत्र जांच की। जांच के दौरान 15 मरीजों में मोतियाबिंद के ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई। इन मरीजों को आगे ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

मध्यप्रदेश शासन, नगर पालिक निगम, ग्वालियर

क्रमांक 487/ज.प्र./न.पा.नि./2026 ग्वालियर, दिनांक 21.09.2026

ज.स.आर.ओ.क्रमांक 640, दि. 23.09.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रं. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_523371_3 Date 11.09.2026	जी. आई. पाईप क्रय करने का कार्य।	25,05,000.00	5000/- 18,787/-	05.10.2026
2	2026_UAD_523413_3 Date 18.09.2026	175 मि.मी. व्यास की एम.एस. केसिंग पाईप क्रय करने का कार्य।	55,93,865.00	10000/- 41,954/-	05.10.2026
3	2026_UAD_527256_2 Date 18.09.2026	वार्ड क्रमांक 46 में विभिन्न स्थानों पर सीवर लाइन बिछाये जाने का कार्य।	57,11,237.00	10000/- 42,834/-	05.10.2026

नोटः- निविदा सम्बधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन http://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, जल प्रदाय विभाग,
केन्द्रीय भण्डार/दक्षिण विधानसभा
नगर निगम, ग्वालियर

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।